अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 210 लखनऊ, शनिवार, 15 फरवरी 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से सत्येंद्र जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से दिल्ली की तत्कालीन केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे सत्येंद्र जैन के खिलाफ धन शोधन मामले में मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आम आदमी पार्टी (आआपा) नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी गई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने ईडी की जांच और पर्याप्त सबूत की मौजूदगी के आधार पर मंजूरी का अनुरोध किया है। ईडी ने सत्येंद्र जैन पर हवाला सौदों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केस दर्ज कर मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया था।

दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक 16 को, शपथ 18 फरवरी को संभव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में नयी सरकार के गठन को लेकर सरगर्मियां तेज हो गयी और इस कड़ी में 16 फरवरी को विधायक दल की बैठक और 18 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जा सकता है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका का दो दिवसीय दौरा समाप्त करके नयी दिल्ली लौट रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम का चयन करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किये जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि 16 फरवरी को पार्टी के विधायक दल की बैठक हो सकती है, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव रखा जाएगा और अनुमोदन होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ ने दिल्ली के नये मुख्यमंत्री की घोषणा करेंगे।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश की आर्थिक रीढ़ : नितिन गडकरी

नितिन गडकरी ने लखनऊ में 1028 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

- यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथः गडकरी
- केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गिनाईं विकास की उपलब्धियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता हासिल की है। नितिन गडकरी लखनऊ में आयोजित 1028 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरू व 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका अहम होगी। उन्होंने जोर दिया कि अगर सड़क, जल, ऊर्जा, परिवहन और संचार की व्यवस्थाएं मजबूत होंगी, तो उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, पूंजी निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 1.25 लाख करोड़ रुपये की सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं और 1 लाख करोड़ रुपये की योजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निर्माण देश में पहली बार ह्यऑटोमेटेड इंटेलिजेंट मशीन एंड गाइडेड कंस्ट्रक्शनह्ण तकनीक से किया जा रहा है, जिससे सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी और 10 वर्षों तक उस पर कोई गड्ढा नहीं बनेगा। इसके अलावा, पूर्वांचल को औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वाराणसी से कोलकाता और गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक 75,000 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। गडकरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृतियों को शीघ्रता से पूरा किया जाए, जिससे इनका काम जल्द शुरू किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लॉजिस्टिक लागत 12% और चीन में 8% है, जबकि भारत में यह पहले 16% थी। लेकिन मोदी सरकार ने इसे घटाकर 9% तक लाने का लक्ष्य रखा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को डेढ़ गुना बढ़ावा मिलेगा और करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुलेंगे। परिवहन मंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सिर्फ सड़कें बनाना ही काफी नहीं, बल्कि हमें ईंधन के क्षेत्र में भी नवाचार करने होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार बायोफ्यूल, एथेनॉल, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को बढ़ावा दे रही है। इससे किसानों को न केवल अन्नदाता, बल्कि ऊर्जा और ईंधन दाता भी बनाया जा रहा है। गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में 'एडवांटेज विदर्भ' कार्यक्रम के तहत साढ़े 9 लाख करोड़ रुपये के उद्योग स्थापित हो रहे हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में भी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बड़े स्तर पर औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि जब कोई उद्योगपति निवेश करता है, तो वह सबसे पहले यह देखता है कि बिजली, पानी और सड़कों की स्थिति कैसी है। योगी सरकार ने इन सभी मोर्चों पर शानदार काम किया है, जिससे उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए पहली पसंद बन रहा है। गडकरी ने बताया कि प्रयागराज में हुए कुंभ मेले से राज्य की अर्थव्यवस्था को जबरदस्त फायदा हुआ। इस आयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो कम लागत में ज्यादा रोजगार उत्पन्न करता है। होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और स्थानीय कारीगरों को इसका सीधा लाभ मिला। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटन की वृद्धि उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से और सशक्त बनाएगी। गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार की नई इन्वेस्टमेंट पॉलिसी के तहत एनएचएआई के बांड्स को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया, जिससे हजारों करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई। इससे स्पष्ट होता है कि देश में पैसों की कमी नहीं है, बल्कि सही नीति और पारदर्शिता से विकास को गति दी जा सकती है। नितिन गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 3.5 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और अगले कुछ वर्षों में इसे 5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का ऐसा मजबूत वातावरण बना है, जहां अपराधियों में भय और निवेशकों में विश्वास है। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश जल्द ही देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्यों में शामिल होगा और भारत को विश्वगुरु बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित कर रही डबल इंजन की सरकार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 4 लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।

विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इन्वेस्ट हब के रूप विकसित हो रहा लखनऊः राजनाथ

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गिनाई लखनऊ के विकास की उपलब्धियां
- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में 440 करोड़ से बने दो फ्लाईओवरों का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सबसे पहले देश के ग्रामीण क्षेत्र के विकास की अगर किसी ने चिंता की तो वह हमारे प्रधानमंत्री रहे अटल जी ने की थी। वर्ष 2014 से 2024 तक मोदी सरकार ने लाखों करोड़ रुपये से ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया है। आज भारत अर्थव्यवस्था के मामले में 11वें स्थान से ऊपर उठकर पांचवें स्थान पर आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अब यह व्यवस्था कर दी है कि 12 लाख रुपये तक जिस किसी व्यक्ति की प्रति वर्ष आय है, उसे टैक्स नहीं देना होगा। लखनऊ में विकास नगर के मिनी स्टेडियम में आयोजित 1028 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में रक्षामंत्री सिंह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जब भी लखनऊ आते हैं तो मैं कुछ मांगता हूं। आने वाले वक्त में भी लखनऊ के विकास के लिए मैं मांगने जा रहा हूं। आज लखनऊ के लिए ऐतिहासिक दिन है। आज 440 करोड़ की लागत वाली दो फ्लाइओवरों का लोकार्पण भी किया गया है। ये दोनों फ्लाईओवर लखनऊ, सीतापुर और अयोध्या हाई-वे को जोड़ने का काम करेंगे। लखनऊ में बढ़ते वाहनों की संख्या को देखते हुए इन दोनों फ्लाईओवरों की आवश्यकता थी। पांच लाख रजिस्टर वाहनों की संख्या बढ़कर 29 लाख हो गयी है। इससे इस क्षेत्र में जाम की समस्या होने लगी। इन दोनों फ्लाईओवरों से जाम से निजात मिलेगी। 1028 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यासकेन्द्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में रक्षा मंत्री सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ की जनता को आज कई सौगात दीं।

प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से 'बहुत कुछ लेकर' लौट रहे हैं स्वदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका से 'बहुत कुछ लेकर' आज स्वदेश लौट रहे हैं। उन्होंने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अनेक दिग्गजों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस से अमेरिका पहुंचे। ट्रंप ने जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत के साथ पहली द्विपक्षीय वार्ता की मेजबानी की।

यात्रा की उपलब्धि- 1-व्यापार एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा और दोनों देशों के नागरिकों के मध्य संबंधों सहित विभिन्न विषयों पर उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता। 2-अरबों डॉलर की मार्ग प्रशस्त। 3-दोनों देशों के बीच ऊर्जा समझौता। भारत में अमेरिका तेल और गैस का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनेगा। 4-भारत और अमेरिका कट्टरपंथी इस्लामी आतंक के खतरे का मिलकर मुकाबला करेंगे। 5-अमेरिका मुंबई (26/11) हमले में शामिल तहव्वुर राणा को भारत को सौंपेगा। प्रत्यर्पण को मंजूरी। 6-दोनों देश महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर मिलकर काम करेंगे। 7-जल्द ही बड़े व्यापार सौदों की घोषणा संभव।

सैन्य आपूर्ति करेगा अमेरिका। भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान मिलने का

वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र बहादुर श्रीवास्तव के निधन पर शोक सभा आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति (पुनर्गठित) ने चैनल के वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र बहादुर श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर गुरुवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन एनेक्सी मीडिया सेंटर में शोक सभा आयोजित की। इस अवसर पर समिति के संयोजक प्रभात त्रिपाठी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्रीवास्तव पत्रकारिता जगत के एक कर्मठ और निष्ठावान सदस्य थे। उनका असमय निधन मीडिया जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने बताया कि समिति ने दिवंगत पत्रकार के परिवार की आर्थिक सहायता के लिए सूचना प्रमुख सचिव संजय प्रसाद से वार्ता की है, जिन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

समिति के सलाहकार शेखर श्रीवास्तव ने कहा कि धीरेंद्र श्रीवास्तव के निधन से पत्रकारिता जगत को गहरा आघात लगा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि समिति की ओर से उनके परिवार को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष भट्ट ने सरकार से अनुरोध किया कि पत्रकारों के निधन के बाद उनके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए एक स्थायी योजना बनाई जाए, जिससे उन्हें बार-बार अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद गोस्वामी ने कहा कि पत्रकारों के निधन के बाद उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष पहल की जाएगी। इसके तहत, मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सहायता राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की अहम कड़ी हैं, और उनके परिवारों को संकट के समय सहयोग मिलना चाहिए। सभा में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार के.बक्शी सिंह,डी.पी. शुक्ला, उमेश मिश्र,अजीत कुमार सिंह, सुशील अवस्थी,शैलेश शुक्ला,,हरजीत सिंह बाबा, रामसिंह तोमर, शहरयार खान, रजनीश छवि, जगदीश नारायण राय, नैमिष प्रताप सिंह, बलराम गुप्ता, अनाम पाण्डेय, दया विष्ट, सुनील मिश्रा, अमरीश शुक्ला, सियाराम यादव, अमन अग्रवाल, मिथिलेश तिवारी, ऋषि शर्मा, राजेंद्र द्विवेदी, अनूप चौधरी, नवाब शिकोह, प्रदीप उपाध्याय, अनिल कुमार सिंह, पंकज उपाध्याय, विक्रम राव, विजय गौड़, जे.पी. पाठक, अरुण शर्मा सहित दर्जनों पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। बड़ी संख्या में उपस्थित पत्रकारों ने धीरेंद्र श्रीवास्तव के महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि दी।

इत्र व्यवसाई के ठिकानों पर 60 घंटों से जारी है ईडी, आईटी और जीएसटी की संयुक्त छापेमारी

दिनेश दुबे

- लम्बे राजनैतिक रसूख वाले सत्तापक्ष से जुड़े इत्र व्यवसाई के यहां छापेमारी से पूरा जिला स्तब्ध

कन्नौज। जिले के प्रमुख उद्योगपति और प्रमुख इत्र व्यवसाई पंडित चंद्रवली एंड संस के करीब ढाई दर्जन ठिकानों पर पिछले 60 घंटों से ईडी, आईटी और जीएसटी की संयुक्त टीम द्वारा की गई छापेमारी जारी है! बुधवार सुबह करीब 7 बजे से शुरू हुई छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी और कीमती जेवरात मिलने के संकेत हैं ! क्योंकि बुधवार को नोट गिनने वाली दो मशीनों के अलावा गुरुवार दोपहर में दो मशीनें और मंगाई गई थीं। जिसके बाद सांय करीब 7 बजे कैश वैन से सरायमीरा जीटी रोड स्थित एसबीआई की मुख्य शाखा को कड़ी सुरक्षा के बीच नकदी व कीमती सामान को जमा करने हेतु ले जाया गया था। इत्र व्यवसाई के मुख्य और पुराने आवास सहित छः भाइयों के आवासो से मिली नकदी व कीमती वस्तुओं से भरी कैश वैन को एसबीआई के गेट से सटाकर लगाया गया और करीब एक घंटे से अधिक समय तक कैश वैन से बंडल उतारकर बैंक के अंदर ले जाते जाते रहे ! छापा मारने वाली तीनों संस्थाओं की संयुक्त टीम का नेतृत्व ईडी के एक चर्चित उपनिदेशक कर रहे हैं, जिन्होंने पूरी टीम को मीडिया से किसी भी तरह की बातचीत करने पर पाबंदी लगा रखी है ! खुद भी सिर्फ इतना ही कह रहे हैं कि छापेमारी पूरी होने के बाद मीडिया से बातचीत की जायेगी। जो भी हो दो साल बाद प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और जीएसटी द्वारा एक साथ की जा रही छापेमारी से पूरे जिले में सनसनी है ! क्योंकि जिस फर्म पर छापेमारी हो रही है उस फर्म के छः साझेदार भाइयों के डेढ़ दर्जन से अधिक कोल्ड स्टोरेज, दो होटल, दो शिक्षण संस्थान एक मोटरसाइकिल शो रूम सहित सभी छः भाइयों की अलग अलग इत्र कंपनियां हैं। सभी छः भाइयों के संबंध पान मसाला बनाने वाली कंपनियों से हैं जिन्हें इत्र और कंपाउंड की आपूर्ति की जाती है !

ये है इत्र व्यवसाई ''पंडित चंद्रवली एंड संस'' का सामान्य इतिहास!

जिले के प्रमुख और ''टॉप फाइव'' इत्र उद्योगपतियों में ''पंडित चंद्रवली एंड संस'' के नाम से एक फर्म है। कन्नौज में अलग पहचान रखने वाली फर्म की स्थापना ठठिया थाना क्षेत्र के ग्राम होलेपुर निवासी पंडित चंद्रवली दीक्षित ने कन्नौज आकर आजादी से पूर्व की थी ! दीक्षित के इत्र कारोबार को उनके पुत्र वीरेंद्र दीक्षित ने बहुत आगे बढ़ाया ! उनके इत्र कारोबार की साझेदारी में एक फर्म कन्नौज के मूल निवासी पंडित जमुना प्रसाद पाठक (मुन्नालाल एंड कम्पनी) के साथ थी ! जिनकी तीसरी पीढ़ी में भाजपा के कद्दावर नेता सुब्रत पाठक निवर्तमान सांसद हैं ! जबकि पंडित चंद्रवली दीक्षित की तीसरी पीढ़ी में स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार दीक्षित के छः पुत्र क्रमशः सुबोध दीक्षित, अतुल दीक्षित, मनोज दीक्षित, विपिन दीक्षित, श्याम दीक्षित और राम दीक्षित हैं ! कन्नौज के दो प्रमुख और बढ़े इत्र कारोबारियों पंडित मुन्ना लाल एंड कम्पनी एवं पंडित चंद्रबली एंड संस के पिछली तीन पीढ़ियों से संबंध बेहद घनिष्ठ अर्थात पारिवारिक रहें हैं ! किंतु स्थानीय राजनीति के चलते पिछले दो साल से दोनों परिवारों के संबंधों धीरे- धीरे खटास तब शुरू हुई जब निवर्तमान भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने एक तीर से दो निशाने साधकर दीक्षित परिवार को स्थानीय राजनीति में फ़ेल कर दिया।

तो क्या छापे के पीछे राजनीति प्रतिद्वंदिता !

कन्नौज। इत्र व्यवसाई ''पंडित चंद्रवली एंड संस'' से जुड़े इत्र व्यवसाई सभी छः भाइयों के ठिकानों पर हो रही छापेमारी के पीछे ज्यादातर लोग राजनैतिक प्रतिद्वंदिता की चर्चा कर रहे हैं ! क्योंकि कन्नौज के ''टॉप फाइव'' में शुमार होने वाली इत्र व्यवसायियों की प्रमुख फर्म ''पंडित चंद्रवली एंड संस'' आजादी के बाद से ही राजनैतिक संरक्षण हांसिल किए हुए है ! पिछले चार दशकों से इस इत्र व्यवसाई परिवार का रसूख लगातार बढ़ता जा रहा है। मूल फर्म पंडित चंद्रवली एंड संस के पार्टनर मनोज दीक्षित पिछले ढाई दशक से सक्रिय राजनीति में हैं ! मनोज दीक्षित जिले की छिबरामऊ विधान सभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह द्वारा बनाई गई ''राष्ट्रीय क्रांति पार्टी'' के टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं ! वर्ष 2003 में कल्याण सिंह द्वारा अपनी पार्टी का सपा में विलय कर लेने पर मनोज दीक्षित भी सपाई हो गए थे। राष्ट्रीय क्रांति पार्टी की चर्चित महिला नेत्री कुसुम रॉय को जब मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सरकार में लोक निर्माण मंत्री बनाया गया था खुद कल्याण सिंह कुसुम रॉय को अपने साथ कन्नौज लेकर आए और दीक्षित जी के आवास पर ही दोपहर का भोजन किया था !

इतिहास में याद रखा जाएगा महाकुम्भः फडणवीस

महाकुम्भ नगर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को अपने परिवार के साथ पावन तीर्थराज प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। महाकुम्भ के दिव्य एवं भव्य आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। फडणवीस ने कहा कि इस महान आयोजन को दुनिया के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने योगी सरकार को सफल व्यवस्थाओं के लिए बधाई दी और श्रद्धालुओं की सुख-सुविधाओं के लिए किए गए इंतजामों की प्रशंसा की। फडणवीस ने अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया। वहीं मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा ह्न इस ऐतिहासिक क्षण में अपने परिवार के साथ यहां आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अब 15 हजार स्वच्छताकर्मी एक साथ पूरे मेला क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर बनाएंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- आई विटनेसेज के रूप में मौजूद रहे एमएनआईटी के प्रोफ़ेसर्स और इनवायरमेंटलिस्ट, पूरी प्रक्रिया की हुई वीडियोग्राफी
- वीडियोग्राफी को देखने और वेरीफाई करने के बाद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के द्वारा रिकॉर्ड की होगी घोषणा
- रिकॉर्ड्स के साथ-साथ अभियान चलाकर मेला प्रशासन ने दिया नदियों और नदियों में पर्यावरण के संरक्षण का संदेश

लखनऊ/महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती न केवल भव्य महाकुम्भ-2025 के रूप में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षात्कार कर रही है, बल्कि संगमनगरी ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की भी साक्षी बन रही है। 50 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ ही तीर्थराज ने शुक्रवार को स्वच्छता की दिशा में भी एक अनूठा वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। इसके तहत, 300 से अधिक स्वच्छताकर्मियों ने एक साथ अलग-अलग घाटों पर गंगा की सफाई कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए मेला प्राधिकरण की ओर से सभी निर्धारित प्रक्रिया को अपनाया गया। अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि इस पूरी प्रक्रिया को वेरिफाई करेंगे और इस रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के बाद इसका सर्टिफिकेट प्रदान करेंगे। सर्टिफिकेट प्राप्त होने के बाद यह अपने आप में एक अनूठा रिकॉर्ड होगा, जहां एक साथ इतने सफाई कर्मियों ने अलग-अलग घाटों पर आधे घंटे से ज्यादा समय तक नदी की सफाई का अभियान चलाया। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रयागराज में जारी महाकुम्भ की ग्लोबल इमेज को देखते हुए सरकार ने नदी की सफाई को लेकर जन जागरुकता अभियान छेड़ा हुआ है। इस अभियान की वजह से महाकुम्भ में आ रहे करोड़ों श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पावन, निर्मल और स्वच्छ जल में स्नान कर रहे हैं। अब इसी अभियान को वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में प्रमाणिकता मिलने जा रही है। मेला प्राधिकरण की विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) आकांक्षा राना ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर सबसे बड़ी नदी सफाई अभियान के रिकॉर्ड्स की स्थापना का लक्ष्य रखा गया था, जिसे आज पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण किया गया है। इसके तहत गंगा नदी पर बने तीन घाटों (राम घाट, भारद्वाज घाट और गंगेश्वर घाट) पर एक साथ गंगा सफाई अभियान चलाया गया। आधे घंटे से अधिक समय तक चले इस अभियान के माध्यम से नदी और घाटों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता का भी प्रसार किया गया। इस सफाई अभियान में कुल 300 से ज्यादा सफाई कर्मी शामिल हुए। इस तरह का अभियान पहली बार बनाया गया है। आकांक्षा राना ने बताया कि इस अभियान को देखने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। साथ ही, इस प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए आई विटनेसेज के रूप में इनवॉयरमेंटलिस्ट और एमएनआईटी के प्रोफ़ेसर्स भी मौजूद थे। अब इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई, जिसे देखने और वेरीफाई करने के बाद इस रिकॉर्ड को मान्यता दी जाएगी। इस रिकॉर्ड का उद्देश्य न केवल विश्व रिकॉर्ड हासिल करना है, बल्कि पवित्र नदियों के संरक्षण के लिए महाकुम्भ के समर्पण को भी उजागर करना है। इसके माध्यम से पारिस्थितिक संरक्षण और प्राकृतिक पर्यावरण के साथ आध्यात्मिक संबंध के महत्व पर जोर दिया जाएगा। एक साथ नदी सफाई के वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब मेला प्राधिकरण शनिवार को भी एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर कदम बढ़ाएगा। यह रिकॉर्ड सबसे बड़ी सिंक्रोनाइज्ड स्वीपिंग ड्राइव का होगा। इसके अंतर्गत, 15000 प्रतिभागियों द्वारा एक समन्वित सफाई गतिविधि को पूरा किया जाएगा। इस रिकॉर्ड का महत्व महाकुम्भ मेले के आंतरिक मूल्यों के रूप में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है, जो प्रमुख स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी के संदेश को मजबूत करेगा। इससे पहले मेला प्रशासन ने 2019 में 10 हजार प्रतिभागियों के साथ यह रिकॉर्ड बनाया था, जिसे इस बार सुधारने की पहल की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गाड़ी-ओवरटेक को लेकर हुआ विवाद फायरिंग स्कूल संचालक का बेटा गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गाड़ी-ओवरटेक करने के लेकर स्कूटी सवार स्कूल संचालक के बेटे ने कार चालक पर फायरिंग कर दी। यही नहीं भीड़ के एकत्र होने पर पिस्टल तान दी। फायरिंग की आवाज सुनकर पास ही तैनात पुलिस कर्मी जबतक मौके पर पहुंचे आरोपी युवक भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बालागंज कैम्पवेल रोड निवासी सलमान शुक्रवार तड़के दोस्त के साथ कार से कब्रिस्तान से घर लौट रहे थे। सराय माली खाँ चौराहे के पास तीन बाइक और स्कूटी सवार युवक साइड नहीं दे रहे थे। ओवर टेक कर विरोध करने पर स्कूटी सवार युवक ने गाड़ी को रोक लिया। उसके बाद पिस्टल निकाल कर पहले एक हवाई फायर किया और दूसरी गोली निशाना लगाते हुए चला दी। झुक जाने पर गोली नहीं लगी। फायरिंग होने से आसपास के लोगों के साथ पास ही स्थित सराय माली चौकी से भी पुलिस कर्मी मौके पर आ गए। जिन्हें देखकर फायरिंग करने वाले युवक भाग निकले। पुलिस उनकी तलाश कर रही ही रही थी कि पता चला कि दोनों कोलंबिया स्कूल के मालिक के बेटे सैय्यद मोनिस और युसुफ थे। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के मुताबिक पीड़ित की शिकायत पर पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया। शुक्रवार दोपहर सितारा बेगम हाता निवासी सैय्यद मोहसिन के बेटे सैय्यद मोनिस को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक अवैध पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए हैं। उसके साथियों के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है।

67 यूपी वाहिनी एनसीसी कैडेट्स का सी सर्टिफिकेट प्रैक्टिकल हुआ सम्पन्न

लखनऊ। लखनऊ की प्रतिष्ठित एनसीसी बटालियन 67 यूपी वाहिनी एनसीसी के सी सर्टिफिकेट के कैडेट्स द्वारा ड्रिल, हथियार, मैप, संचार और युद्ध कौशल, भूमि कौशल का प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमे कैडेट्स ने उच्च दर्जे का डिस्प्लिन और टर्न आउट का परिचय दिया। बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल पुनित श्रीवास्तव कैडेट्स को प्रायोगिक परीक्षा शुरू करने से पहले बच्चों से बातचीत कर उनके स्काउट ड्रिल कॉलेज को देखा और कमियों को दूर करने के लिया बताया। बीएन के सभी यूनिवर्सिटी के कैडेट्स आने वाले सी सर्टिफिकेट परीक्षा को लेकर काफी उत्साह है जिससे वो अपने जीवन में एनसीसी से मिलने वाले फायदे से सफल होकर देश में अपना नाम रोशन करेंगे। इस दौरान 22 यूपी बीएन एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल चित्र सेन और 66 यूपी बीएन एनसीसी के पीआई उस्ताद की उपस्थिति में ये परीक्षा संपन्न हुई। इसमें 67 यूपी बीएन एनसीसी के एसएम रंजीत कुमार, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार जितेन्द्र गुप्ता, ट्रेनिंग एनसीओ सीएचएम आनन्द कुमार, हवलदार आनन्द प्रताप व बीएन के सभी पीआई स्टाफ और बीएन के उपइकाई के एएनओ मेजर के के शुक्ला केकेसी कॉलेज, लेफ्टिनेंट अरविंद तिवारी केकेबी कॉलेज, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार डडवाल बीबीए यूनिवर्सिटी, लेफ्टिनेंट शुभम प्रताप सिंह बीबीडी यूनिवर्सिटी, सीटीओ धर्मेंद्र कुमार एमबीपीजी कॉलेज, सीटीओ विशाखा पांडे एसआरसीईएम और सीटीओ रामा कॉलेज मौजूद रहें।

महाकुंभ मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को राशि लौटाना यूपी सरकार की जिम्मेदारी: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ मेले में दुकान लगाए दुकानदारों का एक वीडियो जारी कर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को उनकी राशि लौटा दें। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार सोशल मीडिया मंच एक्स में लिखा कि उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार की ये नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को वो राशि लौटा दे, जिसको लेकर कारोबारियों को दुकानें आवंटित की गईं थीं। भाजपा सरकार की बदइंतजामी की वजह से जब मुख्य मार्ग बंद कर दिए गए या फिर रास्ते बदल दिए गए तो ग्राहक इन दुकानों तक पहुंचते कैसे और कैसे इन व्यापारियों की दुकानदारी चलती। अखिलेश यादव ने आगे लिखा कि इनके नुकसान के लिए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह उत्तरदायी है।

राज्य महिला आयोग ने अनुभव सिंह बस्सी के शो को निरस्त करने की मांग की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने अनुभव सिंह बस्सी के शो को निरस्त करने की मांग की है। अपर्णा ने शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि अनुभव बस्सी का एक कार्यक्रम 15 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने जा रह है। अनुभव के पुराने यू ट्यूब पर पुराने शो के वीडियो देखने से पता चलता है कि इनके शो में अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इस प्रस्तावित कार्यक्रम व ऐसे अन्य स्टैंड अप आर्टिस्ट के कार्यक्रमों में अपशब्दों या महिलाओं के बारे में कोई भी अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। उनका मानना है कि ऐसे शो को ही निरस्त कर दिया जाए। अपर्णा यादव ने कहा कि ऐसे यूट्यूब चैनलों पर राज्य के साथ भारत सरकार को भी कड़ी निगरानी रखनी होगी। यूट्यूब सोशल मीडिया का ऐसा प्लेटफार्म है जिसतक बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की पहुंच है। इसलिए मेरी मांग है कि सरकार ऐसे शो निरस्त करे और पुलिस महानिदेशक से मांग है कि आगे से ऐसे कार्यक्रमों को परमिशन ही न दिया जाए।

30 मिनट में 28 किलोमीटर दौड़ी एंबुलेंस, बीमार बच्चे के लिए लखनऊ पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर, पहुंचाया एयरपोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चे की जान बचाने के लिए लखनऊ पुलिस ने एक सराहनीय कदम उठाया। एंबुलेंस को एयरपोर्ट पहुंचाने के लीए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसकी मदद से 30 मिनट में 28 किमी की दूरी तय की जा सकती है। यह मार्ग कपूरथला के मिडलैंड अस्पताल से एयरपोर्ट के ग्रीन कॉरिडोर तक बनाया गया है। सामान्य ट्रैफिक में यह दूरी तय करने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगेगा। दरअसल, फ़ेफड़ों की गंभीर बीमारी से जूझ रहे साल के बच्चे को अस्पताल से एयरपोर्ट पहुंचाया जाना था। इसके लिए हैदराबाद के किम्स हॉस्पिटल की टीम मिडलैंड हॉस्पिटल आई थी। सामान्य ट्रैफिक में यह दूरी लगभग डेढ़ घंटे में पूरी होती है, लेकिन बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ पुलिस ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर 28 किमी लंबा ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इसके साथ ही डेढ़ घंटे की दूरी को आधे घंटा कर दिया है और बच्चे को समय से एयरपोर्ट पहुंचा दिया। जहां से बच्चे को विशेषज्ञों की देखरेख में एयर एंबुलेंस से हैदराबाद ले जाया गया। जानकीपुरम के सहारा स्टेट निवासी बच्चा सर्दी, जुखाम और सांस की बीमारी से जूझ रहा था। परिजनों उसे मिडलैंड अस्पताल में एडमिट कराया। जहां पर उसमें निमोनिया की पुष्टि की गई। बच्चे के दोनों फ़ेफड़े काफी ज्यादा प्रभावित हो गए थे। विशेषज्ञों के इलाज के बावजूद भी बच्चे में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इसके बाद बच्चे को डॉक्टर्स ने हैदराबाद के किम्स हॉस्पिटल रेफर करने की सलाह दी गई, जिसपर परिवार तैयार हो गया। किम्स से विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम गुरुवार सुबह पहुंची थी। इसके बाद बच्चे की हालत और खराब हो गई। जिसके बाद उसे एयर एम्बुलेंस से हैदराबाद ले जाने के लिए डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी और डीसीपी ट्रैफिक प्रबल प्रताप सिंह की टीम ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। महज आधे घंटे में बच्चे को एयरपोर्ट पहुंचाया गया।

किसान पथ अंडरपास में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। किसान पथ अंडरपास की दीवार से एक ट्रक की टक्कर हो गई, जिसमें मेरठ निवासी 50 वर्षीय चालक नवाब सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब 10 बजे बीकेटी थाना क्षेत्र के इंदौराबाग पुलिस चौकी के पास देवरई कला गांव के निकट हुई। हरियाणा नंबर (एचआर 74 ए 9483) की ट्रक अंडरपास की दीवार से इतनी जोर से टकराई कि उसका केबिन दीवार में फंस गया। सूचना मिलते ही इंदौराबाग चौकी प्रभारी अशोक यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस ने केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हाइड्रा मशीन की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद ट्रक को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने पंचनामा भरकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वैलेंटाइन डे पर लठ पूजन दिवस, हाथ में लाठी लेकर निकले, मोहब्बत न करने की दी चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में वैलेंटाइन डे के विरोध में लठ लेकर निकले लोग। अखिल भारतीय हिंदू महासभा वैलेंटाइन डे का विरोध करते हुए लठ पूजन दिवस मना रहा है। शहर के चौराहों, फूल की दुकानों और पार्कों में युवाओं को वैलेंटाइन डे न मनाने के लिए लाठी लेकर दे रहे हैं चेतावनी। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा मोहब्बत के नाम पर अश्लीलता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गले में भगवा गमछा डालकर हाथ में लठ लेकर निकले शिशिर चतुर्वेदी। हजरतगंज समेत शहर के विभिन्न फूलों की दुकानों पर पहुंचे। वैलेंटाइन डे मनाने के लिए फूल खरीदने वाले युवाओं को रोका। शिशिर चतुर्वेदी ने वैलेंटाइन न मनाने के लिए जागरूक किया। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी हम लोग वैलेंटाइन डे पर मैदान में है। लैला-मजनू लठ पूजन दिवस मना रहे हैं। आजके दिन जो नई लैला की तलाश करते हैं, जो शाहजहां अपनी नूरजहां को ढूंढ रहे हैं हम उनकी तलाश में है। स्कूल और कोचिंग जाने वाली बच्चियों को छेड़ने वालों के लिए लाठी तैयार है। शिविर ने कहा कि लखनऊ की पार्कों का आज माहौल बेहद खराब हो गया है। मोहब्बत के नाम पर युवक-युवतियों पार्कों में अश्लीलता फैलाते हुए नजर आते हैं। अधिकतर पार्क अश्लीलता का अड्डा बन चुके हैं। परिवार के साथ पार्कों में जाना मुश्किल हो गया है। छोटे बच्चों के साथ परिवार के साथ पार्क में जाओ तो शर्मिंदगी महसूस होती है। हमारी मांग है कि एन्टी रोमियो स्क्वाड को सरकार दोबारा एक्टिव करे। इसी से पार्कों में शुद्धता आएगी।

किसान पदयात्रा सरोजनी नगर से हरौनी के लिए रवाना

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (भानू) की 10 दिवसीय गरीब किसान न्याय पदयात्रा शुक्रवार को सरोजनी नगर से रवाना हुई। सभी किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीती रात तहसील कार्यालय में विश्राम किया था। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में यह पदयात्रा सरोजनी नगर तहसील से शुरू हुई। दोपहर करीब 11 बजे बिजनौर के लिए पदयात्रा आगे बढ़ी। किसानों ने एकता के नारे लगाते हुए अपनी यात्रा शुरू की। तहसील महासचिव मोहम्मद इरफान के अनुसार, यात्रा का सबसे पहला पड़ाव बंथरा में होगा, जहां स्थानीय किसान स्वागत करेंगे। इसके बाद कटी बगिया, बेंती और लतीफ नगर में भी किसानों द्वारा स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यात्रा का अंतिम पड़ाव हरौनी बाजार में होगा, जहां एमएल स्कूल में सभी कार्यकर्ता रात्रि विश्राम करेंगे। इस पदयात्रा में लखनऊ जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह फौजी, युवा जिलाध्यक्ष समर सेन शेरा, युवा जिला उपाध्यक्ष कार्मेंद्र यादव, सरोजनी नगर ब्लॉक अध्यक्ष नीरज कुमार रावत और मीडिया प्रभारी सचिन कुमार सहित बड़ी संख्या में पुरुष और महिला किसान शामिल हैं।

महाकुंभ 2025: विदेशी सैलानियों को मिली भारतीय संस्कृति की नई ऊर्ज़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। महाकुंभ 2025 में इस बार विदेशी सैलानियों की रुचि में बड़ा बदलाव देखा गया है। पहले जहां विदेशी पर्यटक नागा साधुओं और उनके रहस्यमय जीवन को जानने के लिए आते थे, वहीं इस बार वे महाकुंभ की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और संपूर्ण आयोजन प्रबंधन का अध्ययन करने भी आ रहे हैं।

इस बार मेले में पहले से कहीं ज्यादा विदेशी सैलानी पहुंचे और उन्होंने भारतीय संस्कृति को नजदीक से देखा और अनुभव किया। अग्नि अखाड़े के सचिव महामंडलेश्वर संपूर्णानंद जी ने बताया कि इस बार कई देशों से विदेशी पर्यटक प्रयागराज आए हैं। उन्होंने यहां ब्रह्मचारी जीवन और गृहस्थ जीवन के अंतर को करीब से जाना और समझा। उन्होंने कहा, ''अब विदेशी सैलानी सिर्फ नागा साधुओं के जीवन को देखने नहीं आ रहे, बल्कि वे महाकुंभ की व्यवस्थाओं और सनातन संस्कृति का गहराई से अध्ययन करने भी आ रहे हैं। अफ्रीका के घाना देश से आए जितेंद्र सिंह नेगी (उच्चायोग अफ़ेयर्स, घाना) ने बताया कि उनके पूर्वज भारत से घाना गए थे और पहली बार प्रयागराज आकर उन्हें सनातन धर्म की अद्भुत जानकारी मिली। उन्होंने कहा, ''हमने पहली बार गुरुजी (अग्नि अखाड़ा महामंडलेश्वर संपूर्णानंद जी) से मुलाकात की और सनातन धर्म के गूढ़ रहस्यों को समझा। हमारे साथ 16 अन्य प्रतिनिधि भी आए, जिन्होंने भारतीय संस्कृति को गहराई से जाना। इसी क्रम में विदेशी सैलानी अंकिता उपाध्य ने कहा, ''हमने महाकुम्भ के बारे में जो सुना था, उससे कहीं अधिक यहां आकर देखा और महसूस किया। व्यवस्थाओं की सुगमता और संगम की आध्यात्मिक ऊर्ज़ा ने हमें नई अनुभूति दी है।'' प्रशासन के अनुसार, महाकुंभ 2025 में अब तक 50 से अधिक देशों के सैलानी आ चुके हैं और आगे भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने की संभावना है।

'जीरो क्लिक हैक' से साइबर अपराधी चुरा रहे डेटा, साइबर ठगों ने अपनाया नया तरीका

लखनऊ। डिजिटल युग में मोबाइल फोन व लैपटॉप जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। दिन भर कॉलिंग, सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग या मैसेजिंग ऐप्स पर लोग समय बिता रहे हैं। धीरे-धीरे सभी डिजिट पर निर्भर होते जा रहे हैं। जितनी निर्भरता डिजिटल पर होती जा रही साइबर अपराध भी उतना ही बढ़ रहा है। हाल के दिनों में साइबर अपराधियों ने नया तरीका ''जीरो क्लिक हैक'' निकाला है। इससे बिना किसी लिंक पर क्लिक कराए ही डेटा चोरी हो रहा है। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक इजराइली स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर दुनिया के लोगों का डेटा चोरी किया जा रहा है। इस हैकिंग तकनीक के तहत प्रयोग करने वालों को किसी भी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत नहीं होती। हैकर्स व्हाट्सऐप, ईमेल या मल्टीमीडिया फाइल्स की कमजोरियों का फायदा उठाकर स्पाईवेयर इंस्टॉल कर देते हैं।

अप्रैल में सुन्नी इंटर कॉलेज में सामूहिक विवाह होगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सामूहिक विवाह को लेकर इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के कार्यालय पर बैठक हुई, जिसमें सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष सलीम अहमद राईनी, इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के सचिव सैयद मौलाना अली हुसैन कुमी, राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकार्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक, शराब बंदी संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तजा अली, इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी मुहम्मद फहीम सिद्दीकी, राष्ट्रीय भागेदारी आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक पीसी करील, सईद सिद्दीकी आदि मौजूद रहे। सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष सलीम अहमद राइनी ने बताया कि सामूहिक विवाह समिति का यह 17वां वर्ष है। इस वर्ष अप्रैल माह में सुन्नी इंटर कॉलेज में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि ये शादियां आप सभी के सहयोग और प्रयास से हो रही हैं। मौलाना अली हुसैन कुमी ने सलीम अहमद राईनी को गुलदस्ता भेंट करते हुए उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि सलीम साहब ने अब तक इस सामूहिक विवाह के माध्यम से सैकड़ों जोड़ों का निकाह कराया है, जिसका मैं खुद गवाह हूं। उन्होंने कहा कि हम सब भविष्य में भी उनके साथ बने रहेंगे। मौलाना ने कहा कि इमाम महदी के प्रकट होने के बारे में की गई भविष्यवाणियां इस बात की ओर इशारा करती हैं कि शायद वह दिन आज ही का हो। उन्होंने पूरी उम्मत से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा गरीब, कमजोर और असहाय लोगों की मदद करें और ज्यादा से ज्यादा नेक काम करें। अंत में सलीम अहमद राईनी ने सभी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि जो भी इस काम में यथासंभव सहयोग करना चाहता है वह हमारे या आफाक साहब के माध्यम से सहयोग में हिस्सा ले सकते है।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग को दी योजनाओं की सौगात, फिर जीता दिल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जन सुनवाई के दौरान एक गरीब दिव्यांग शिवकली पुत्री बृजलाल अपनी माँ के साथ जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के पास पहुँची। उनकी माँ ने बताया कि उनकी बेटी दिव्यांग है। उन्होंने कहा कि सर कुछ मदद कर दीजिये। जिलाधिकारी ने तत्काल जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारीए जिला कृषि अधिकारीए समाज कल्याण अधिकारी पूर्ति निरीक्षकए आयुष्मान समन्वयक को कक्ष में बुलाया। दिव्यांग कल्याण अधिकारी को उन्होंने तत्काल निर्देश दिए कि शिवकली की तत्काल दिव्यांग पेंशन बनवायी जाये। समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि उनके पिता व माता की वृद्धावस्था पेंशन बनवाई जाये। जिला कृषि अधिकारी को उन्होंने निर्देशित किया कि उनके पिता की किसान सम्मान निधि प्रारम्भ करायी जाये। बीडीओ सुरसा को उन्होंने वर्चुअल माध्यम से निर्देश दिए कि घर में व्यक्तिगत शौचालय उपलब्ध कराया जाये। पूर्ति निरीक्षक को उन्होंने निर्देश दिए कि परिवार का अंत्योदय राशन कार्ड बनवाया जाये। आयुष्मान समन्वयक को निर्देश दिए कि शिवकली का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाये। शिवकली की माँ ने बताया कि

जिलाधिकारी की सदाशयता के बारे में दूसरे लोगों से सुनकर वह प्राइवेट बस से हड़हा मढ़िया मजरा फरीदापुर से हरदोई आयी। उनकी बेटी शिवकली की 2 वर्ष की उम्र में आँखों की रोशनी चली गयी थी। उनको व उनके पति को अभी वृद्धावस्था पेंशन नही मिल रही है।अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ भी नहीं मिल पा रहे हैं। आज उनका जिलाधिकारी ने मिलना सफल हो गया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के बारे में जितना सुना था वह तो उससे भी बढ़कर निकले। जिलाधिकारी ने उनकी माँ से खुलकर बात की और बुधवार को पुन: बुलाया और कहा कि बुधवार को समाज कल्याण अधिकारी द्वारा परिवार को मुख्यालय लाया जायेगा। जिलाधिकारी के इस रूप की कक्ष में मौजूद लोगों ने भी भूरि भूरि प्रशंसा की। एक लोगों ने तो इसकी तुलना कृष्ण सुदामा मिलन तक से कर डाली।

प्रतिमाह की जाये एनक्रास की समीक्षा: सीडीओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी की अध्यक्षता में गुणवत्ता पर जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि एचसीएल के साथ समन्वय करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सुविधा का विस्तार किया जाये। सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों में बाउंड्री वाल सुनिश्चित की जाये। सभी चिकित्सा इकाईयों का क्वालिटी ऐश्योरेंस सर्टिफिक्रेशन कराने के लिए गंभीरता से प्रयास किये जाएं। प्रत्येक हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का नोडल डॉक्टर निरंतर व्यवस्थाओं की निगरानी करे। सीएचओ के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाये। सीएमओ प्रतिमाह एनक्रास की समीक्षा करें। सभी अधीक्षक एनक्रास के लिए एनओसी अपलोड करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

कस्बा बघौली के दुर्गा मंदिर में माता रानी का मनाया गया जन्मदिन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। कस्बा बघौली में बृहस्पतिवार को दुर्गा माता मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया माता रानी का जन्मदिन।

जानकारी के अनुसार बघौली बाजार के दुर्गा माता रानी के मंदिर की देखरेख कस्बे के सुनील गुप्ता की माता जी के द्वारा की जाती है।बताया जा रहा है जब से माता रानी के मंदिर की स्थापना हुई है। तब से हर वर्ष सुनील गुप्ता की माता जीए व सुनील गुप्ता की धर्मपत्नी मीनू गुप्ता के द्वारा किया जाता है। कस्बे की प्रतिष्ठित लोगों का कहना है कि कस्बे के दुर्गा मंदिर का कार्य किसी प्रकार का होता है। जो सुनील गुप्ता व मीनू गुप्ता के पूरे देख रेख में कार्य सम्पन्न होता है। इस मंदिर की देखरेख बड़े ही श्रद्धा भाव से करते चले आ रहे हैं। जैसा कि आज भी हमेशा की तरह दुर्गा माता मंदिर पर माता रानी का जन्मदिवस बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया।माता रानी के जन्मदिवस पर कस्बे के काफी संख्या में भक्तगण लोगों ने शामिल होकर माता रानी का विध विधान से आरती पूजन करने के बाद केक काट कर जन्मदिन मनाया गया जिसके बाद सभी भक्तों को माता रानी का प्रसाद वितरित किया गया। माता रानी का जन्म दिवस के मौके पर कस्बे के जितेश गुप्ता, सुनील गुप्ता, अनुज गुप्ता, सुधीर अवस्थी, हर्ष गुप्ता, विजय गुप्ता, उमेश गुप्ता, बेबू सिंह, बंटू मिश्रा, कमलेश वर्मा, मनोज गुप्ता तथा कस्बे के काफी संख्या में प्रतिष्ठित व्यापारी व महिलाएं उपस्थित रही।

■ माता रानी के जन्मदिवस पर कस्बे के व्यापारी व महिलाओं ने लिया बढ़ चढ़ कर हिस्सा

प्रत्येक माह ब्लाक टास्कफोर्स की बैठक आहूत की जाये: सौम्या गुरूरानी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारीए खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों से कहा है कि संज्ञान में आया है कि ब्लाक स्तर पर नियमित टास्कफोर्स की बैठके आहूत नही की जा रही है और आप लोग अवगत है कि प्रत्येक वर्ष कुछ बच्चे नियमित टीकाकरण की आवश्यक खुराकों से छूट जाते है और ऐसे बच्चे लेफ्ट आउट की श्रेणी में आते है। उन्होने कहा कि नियमित टीकारण के बेहतर क्रियान्वयन के उद्देश्य से लेफ्ट आउट बच्चें जिन्हें एक वर्ष तक आयु पूर्ण होने पर भी बैक्सीन पेन्टा-1 की डोज प्राप्त नहीं हुई हैए उनको जीरो डोज चिल्ड्रेन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है तथा ऐसे बच्चों के चिन्हांकन के लिए प्रभारी कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन कराना अनिवार्य है। सीडीओ ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि नियमित रूप से प्रत्येक माह ब्लाक सभागार में ब्लाक टास्कफोर्स की बैठक आहूत की जाये और उसका कार्यवृत्त फेटो सहित संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर से जारी करें।

■ बच्चों के चिन्हांकन हेतु प्रभारी कार्य योजना के साथ क्रियान्वयन कराना अनिवार्य: सीडीओ

ई-लॉटरी के लिए पोर्टल पर 14 फरवरी 2025 से आवेदन प्रक्रिया शुरू

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। आबकारी नीति के तहत जनपद में वर्ष 2025.26 हेतु देशी मदिरा, भांग एवं कंपोजिट दुकानों का ई.लॉटरी के माध्यम से व्यवस्थापन की प्रक्रिया सर्वप्रथम दुकानों की लॉटरी के लिए पोर्टल पर आवेदकों का रजिस्ट्रेशन 14 फरवरी 2025 की सांय ०4:00 बजे से प्रारंभ होगा और रजिस्ट्रेशन के उपरांत की लॉटरी पोर्टल पर ऑनलाइन आवंटित किए जाएंगे, कोई समस्या होने पर कंट्रोल रूम 9454466285 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करते समय विशेष सावधानी रखें। ई.लॉटरी पर भरे गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होगा। यदि पैन नंबर या मोबाइल नंबर गलत पाया जाता है, तो आवेदक का रजिस्ट्रेशन या एप्लीकेशन कैंसिल किया जाएगा। अपने बैंक की कैंसिल सीबीएस चेक अपलोड करनी होगी। नवीनतम आयकर रिटर्न की पीडीएफ फाइल अपलोड होगी। पैन कार्ड आवेदक होना आवश्यक है। इसके बाद हैसियत प्रमाण पत्र भी अपलोड करना होगा। ई-लॉटरी के लिए आवश्यक अभिलेख आधार कार्ड की छाया प्रति, पैन कार्ड की छाया प्रति, आईटीआर, एक फोटो, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, शपथ प्रमाण पत्र आदि अभिलेखों की आवश्यकता है। ई-लॉटरी पोर्टल का यूआरएल exciseelotteryup.upsdc.gov.in पर ही करें।

वैन ने रौंदा एक छात्रा की दर्दनाक मौत, दूसरी घायल

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अतरौली थाना क्षेत्र में मिश्राखेड़ा से माधव नगर जाने वाली रोड पर कोईली तिराहा के पास सामने से आ रही एक नयी वैन साइकिल सवार दो छात्राओं को रौंद दिया। जिसमें एक छात्रा नेहा वैन में फंसकर पांच मीटर तट घसिटती चली गयी, आगे एक बरगद के पेड़ में दबकर नेहा की खोपड़ी का भेजा निकल आया और मौके पर ही नेहा की दर्दनाक मौत हो गयी। दूसरी सहेली छात्रा शालिनी गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसे इलाज के लिए भरावन सीएचसी ले जाया गया जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख लखनऊ ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया। मृतक छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने वैन को पकड़ लिया है परन्तु चालक अभी तक फरार है। अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम कोईली निवासी छात्रा के पिता अनिल कुमार ने बताया कि तीन पुत्रियां और एक पुत्र में सबसे बड़ी 14 वर्षीय पुत्री नेहा क्षेत्र के विशाला देवी इण्टर कॉलेज मटेहना में कक्षा 10 में पढ़ती थी। उसकी सहेली गांव के ही जगन्नाथ की सबसे बड़ी पुत्री शालिनी भी इसी स्कूल में उसी कक्षा में पढ़ती है। दोनों सहेलियां होने से रोजाना साथ साथ स्कूल आया जाया करती थीं। दोनों पढ़ने में बहुत तेज थीं आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। गुरुवार की सुबह 9 दोनों स्कूल के लिए अलग अलग साइकिल से जा रही थीं। मिश्रा खेड़ा.माधव नगर रोड पर कोईली तिराहा के पास ग्राम कटिघरा निवासी शिवनारायन की नयी वैन अज्ञात चालक तेजी से चलाते हुए आकर सामने से दोनों छात्राओं की साइकिलों में टक्कर मार दिया। फिर वैन नेहा को पांच मीटर तक घसीटती हुई लेकर चली गयी। आगे एक बरगद के पेड़ में वैन ने नेहा को दबा दिया जिससे नेहा की खोपड़ी का भेजा निकल आया और वहीं पर नेहा की दर्दनाक मौत हो गयी। वैन की टक्कर से शालिनी दूर जा गिरी जो गम्भीर रूप से घायल हो गयी है। उसका लखनऊ में इलाज चल रहा है। हालत चिंताजनक बतायी जा रही है। इंस्पेक्टर निर्भय सिंह का कहना है कि वैन के मालिक का पता लग गया है वैन भी पकड़ ली गयी है चालक की तलास की जा रही है उसे सीघ्र गिरफ्तार किया जायेगा। घायल का इलाज चल रहा है और शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

■ पांच मीटर तक गयी घसीटती बरगद से दबकर खोपड़ी से निकल आया भेजा

■ साइकिल से जा रहीं थीं स्कूल सामने से लगी टक्कर

■ कक्षा 10 की छात्राएं चल रही थी बोर्ड परीक्षा की तैयारी

■ एक ही गांव की दोनों थीं सहेली साथ साथ था आना जाना

28 फरवरी 2025 को श्री बागेश्वर राजा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का होगा आयोजन

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। श्री बागेश्वर राजा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 28 फरवरी 2025 को किया जाएगा। जिसमें नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज ने अपील की है। ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु प्राण प्रतिष्ठा व राम कथा में प्रतिभाग कर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करें। कछौना कस्बा के स्टेशन मार्ग पर तुलसी मार्केट में स्थित श्री बागेश्वर राजा राम का मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा।

उधरनपुर संविलियन विद्यालय में समय से नहीं पहुंचते शिक्षक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लाक क्षेत्र में बेसिक शिक्षा पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। बेसिक शिक्षा के अधिकारियों और अध्यापकों की लापरवाही के कारण बेसिक शिक्षा को चौपट करने में अध्यापकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों ने अहम भूमिका निभाई है। उधरनपुर जैसे संविलियन विद्यालय द्वितीय में 11 अध्यापकों के स्थान पर मात्र एक हेड मास्टर अपनी ड्यूटी को पूरी मुस्तादी से अंजाम दे रही है। बाकी सभी जिम्मेदार शिक्षा के मठाधीश बनकर बेसिक शिक्षा को मटिया मेट करने पर तुले हुए हैं। गुरुवार को उधरनपुर स्थित संविलियन विद्यालय द्वितीय में जब हमारी टीम पहुंची तो उस समय ०9:06 हुआ था। ग्राउंड में प्रार्थना चल रही थी। उसमें बच्चों के साथ हेड मास्टर श्रीमती अंजू मिश्रा ही मौजूद मिलीं। बाकी सभी टीचर प्रार्थना से गायब मिले। इससे स्पष्ट होता है कि इस संविलियन विद्यालय में शायद ही कभी भी समय से अध्यापक आते होंगे घ् इस विद्यालय में प्रतिदिन का यही हाल है। जानकारी के अनुसार विद्यालय में 7 अध्यापक और अध्यापिकाएं, दो शिक्षामित्र, दो अनुदेशक कार्यरत हैं। लेकिन तस्वीर में हमारे दर्शक देख सकते हैं कि प्रार्थना सभा में केवल हेड मास्टर अंजू मिश्रा मौजूद है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेसिक शिक्षा पर लंबे.लंबे दावे करने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा पर किस तरह से पानी फेर जा रहा है। प्रधानाध्यापिका अंजू मिश्रा हरदोई से चालीस किलोमीटर चलकर अपने स्कूल पहुंच जाती हैं लेकिन आसपास के रहने वाले शेष अध्यापक और अध्यापिकाएंए शिक्षामित्र और अनुदेशक समय से अपने विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं। बच्चों का शिक्षण कार्य सुबह से प्रधानाध्यापिका अंजू मिश्रा की संभालने की जिम्मेदारी तय हो जाती है। जब प्रार्थना सभा में अध्यापकए शिक्षामित्र और अनुदेशक मौजूद नहीं है तो उसके बाद में कब और किस समय आते होंगे यह भी एक विचारणीय प्रश्न है? फिलहाल प्रदेश सरकार बेसिक शिक्षा पर लाखों रुपया बर्बाद कर रही है। बच्चों को बस्ता, ड्रेस, मोजा, स्वेटर, किताबें, एमडीएम यानि कि सब कुछ उपलब्ध कराया जा रहा है उसके बाद भी बेसिक शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा के मठाधीश शिक्षा के इन मंदिरों को अपने लापरवाही का केंद्र बनाए हुए हैं। छोटे-छोटे नौनिहाल जो देश का भविष्य माने जाते हैं उनका शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी कभी भी इस विद्यालय का निरीक्षण करने नहीं पहुंच रहे हैं। केवल कार्यालय में ही बैठकर विद्यालय का निरीक्षण दिखा दिया जाता है। शिक्षा के जिम्मेदारों की लापरवाही उजागर होने के बाद अभिभावकों में काफी आक्रोश है।

बोले जिम्मेदार

खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार झा का इस बाबत कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है अगर ऐसा है अध्यापक समय से विद्यालय में नहीं पहुंच रहे हैं तो उनकी जांच की जाएगी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों हेतु ब्लॉक सभागार में आधार प्रमाणीकरण शिविर का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशनधारियों वृद्धावस्थाए दिव्यांगए विधवा का आधार प्रमाणीकरण शिविर शुक्रवार को कछौना के ब्लॉक सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसके तहत लाभार्थी को डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभ मिलता है। बड़े पैमाने पर आधार प्रमाणीकरण न होने के कारण लाभार्थियों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। अधिकांश बैंक कर्मी लाभार्थियों के खाता में आवश्यक अभिलेख देने के बावजूद केवाईसी नहीं करते हैं। लाभार्थी दर-दर भटकने को विवश रहते हैं। सरकार ने ब्लॉकवार आधार प्राधिकरण कैम्प का आयोजन करना सुनिश्चित किया है। लाभार्थी को केवाईसी करने के लिए बैंक व विभागो को दर-दर भटकने को विवश रहते हैं। इस शिविर में प्रोबेशन विभागए दिव्यांगजनए समाज कल्याण विभाग के कर्मियों को उपस्थित रहना है, परंतु प्रचार प्रसार के अभाव में, सुविधाओं के अभाव में व पर्याप्त कर्मियों की उपलब्धि न होने के कारण लाभार्थियों को कैंप का सही लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार को मिशन मोड पर पेंशन लाभार्थियों की समस्याओं के लिए अभियान चलाना चाहिए, जिससे कोई पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न हो सके। इस कैंप में एडीओ समाज कल्याण सुबोध कुमार, प्रोबेशन विभाग से अमित कुमार सहित कर्मी मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै गुड्डू यादव पुत्र शिव लाल, पता- ग्राम व पोस्ट-दहिगवाँ, ब्लाक-सुरसा, तहसील व जिला-हरदोई का निवासी हूँ। गुड्डू यादव व मुकेश यादव दोनों नामों मेरे ही है। मुझे गुड्डू यादव व मुकेश यादव दोनों नामों से जाना पहचाना जाये।

सन्देहास्पद डाटा शिक्षण संस्थावार जिला विद्यालय निरीक्षक को उपलब्ध करायें:.विनीत

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विनीत कुमार तिवारी ने जनपद हरदोई के समस्त प्रधानाचार्यों (कक्षा 9-10) को सूचित किया है कि वर्ष 2024-25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) से सम्बन्धित 3166 छात्रों का सन्देहास्पद डाटा शिक्षण संस्थावार जिला विद्यालय निरीक्षकए हरदोई के विभागीय ई.मेल पर एवं समस्त शिक्षण संस्थाओं की ई.मेल आई0डी0 पर साफ्टकापी में तथा जिला विद्यालय निरीक्षक, हरदोई कार्यालय को हार्डकापी (पृष्ठ संख्या 01 से 624 तक) पत्र के साथ संलग्न कर इस अनुरोध के साथ प्रेषित की गई है कि सम्बन्धित सभी शिक्षण संस्थान उक्त सन्देहास्पद डाटा के सापेक्ष वांछित आख्या (अभिलेखों सहित) कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी हरदोई (गन्ना भवन प्रथम तल जिला अस्पताल के सामने) में दिनांक 17 फरवरीए 2025 तक उपलब्ध करायें। जिससे कि सन्देहास्पद डाटा के सम्बन्ध में समयानुसार यथोचित कार्यवाही की जा सके। अन्यथा की स्थिति में सन्देहास्पद डाटा को निरस्त करने के सम्बन्ध में प्रस्ताव जिला स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति को प्रस्तुत कर दिया जाये। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित शिक्षण संस्थान का होगा।

आजाद का बयान नये समीकरणों का संकेत

तृणमूल कंग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं। यह अलग बात है कि उनके इन बयानों में विरोधाभास भी हैं। तो भी जो तल्खी टीएमसी सांसद ने दिखाई है, वह बतलाती है कि इंडिया से कुछ दल अलग हो सकते हैं और यह भी सम्भव है कि विपक्षी दल नये समीकरण रच सकते हैं। कीर्ति आजाद के बयानों का कांग्रेस क्या प्रतिसाद या उत्तर देती है, यह देखने वाली बात है तभी भावी घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फोड़ते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बर्धमान-दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफ किया कि 2026 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फ़ेर में नहीं पड़ेगी। वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार की पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने यहां तक कहा कि कांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में छुरा घोंपा है। उसे इंडिया में बने रहने का अधिकार नहीं है। वे पहले ही बोल चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है। उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गुट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं। एक तरह से महाराष्ट्र, हरियाणा और उसके बाद दिल्ली हारने के बाद कांग्रेस पर हमले तेज हो गये हैं जो बतलाते हैं कि कुछ दल कांग्रेस को लेकर बेचैन हैं। हालांकि कांग्रेस पर होने वाले इन आक्रमणों में इस बात के अलावा कोई भी शिकायत वाजिब नहीं है कि उसके द्वारा इंडिया गठबन्धन की बैठक नहीं बुलाई जाती या फिर, अब तक कोई संयोजक नहीं बनाया गया है। इन बातों में दम तो हैं लेकिन गठबन्धन यह भूल जाता है कि कांग्रेस केवल नेतृत्व नहीं कर रही है बल्कि उसके पास अपनी दलीय जरूरतें भी हैं जिनमें से एक है खुद को मजबूत बनाना तथा चुनाव लड़ना। इंडिया के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक-एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है।आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया को भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बरक्स देखें तो उसके साथ गये सहयोगी दलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तो भाजपा ने ही तोड़ा। अकाली दल की भी दुर्गति हुई। फिर, जिस दिल्ली के नतीजों की आड़ में कांग्रेस की आलोचना की जा रही है, उस सन्दर्भ में यह स्मरण दिलाया जाना लाजिमी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही आप ने ताबड़तोड़ अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये थे जबकि कांग्रेस वहां तालमेल की इच्छुक थी। वह चाहती थी कि उसे करीब 15 सीटें दी जायें जो कि वाजिब मांग थी। जिस प्रकार से आजाद कहते हैं कि उनके राज्य में अकेली ममता या टीएमसी भाजपा से निपटने के लिये काफी है, कुछ वैसा ही गुमान आप को भी था। यह तो सही है कि पिछली दो बार की तरह इस बार भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली लेकिन आप ने कांग्रेस को साथ न लेकर सरकार गंवाई है- यह अब साफ हो गया है। कम से 15 सीटें ऐसी थीं जिन पर यदि दोनों मिलकर लड़ते तो वे सीटें गठबन्धन के खाते में आतीं। जहां तक महाराष्ट्र व हरियाणा का मसला है, यह नहीं भूलना चाहिये कि इन राज्यों में चुनाव सम्बन्धी बड़ी गड़बड़ियों का संदेह है। महाराष्ट्र में लोकसभा से विधानसभा चुनावों के बीच जिस प्रकार से 72 लाख मतदाता बढ़ गये, वह सबके ध्यान में है। हरियाणा में प्रारम्भ से आगे चल रही कांग्रेस को जिस तरह से कुछ मिनटों के भीतर मतगणना धीमी कर निपटाया गया, उसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फोड़ते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बर्धमान-दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफ किया कि 2026 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फ़ेर में नहीं पड़ेगी। वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार की पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने यहां तक कहा कि कांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में छुरा घोंपा है।

मोदी के कंधों पर देश की साख

सर्वमित्रा सुरजन

भारत में अमेरिका से हथकड़ियों में लाए गए नागरिकों को कैदियों वाली गाड़ी में उनके घरों तक भेजा गया। अपने नागरिकों को सम्मान देने और उनका सम्मान बचाने में सरकार तब चूक गई और अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात में इस बारे में कुछ कहते हैं या नहीं। हालांकि ट्रंप से मुलाकात से पहले पेरिस में श्री मोदी की मुलाकात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हुई।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन दो देशों के मुखिया किस तरह आपस में मिले और एक-दूसरे का अभिवादन किया, इसके मायने भी महत्वपूर्ण होते हैं। कैमरे के सामने दो राष्ट्रप्रमुखों का एक-दूसरे से हाथ मिलाना, मुस्कुराते हुए फोटो खिंचाना, द्विपक्षीय चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करना, या किसी अंतरराष्ट्रीय बैठक में तमाम राष्ट्राध्यक्षों की सामूहिक तस्वीर और एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर फोटो खिंचाना यह सब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी सामान्य बातें हैं। भारत में 10-11 साल पहले तक इस पर शायद ही कोई चर्चा होती थी कि देश के प्रधानमंत्री ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ, किस तरह से हाथ मिलाया, किस अंदाज में बातें की या उनके साथ घूमे-फिरे। लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनकी विदेश यात्राएं शुरु हुईं, तब से भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों के साथ-साथ इस बात पर भी खासी चर्चा होने लगी कि कौन सा राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री मोदीजी का करीबी मित्र बन गया है, किसके साथ उनके पारिवारिक संबंध बन गए हैं। ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख्रुश्चेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस ट्रूमैन और 1961 में जॉन एफ कैनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे। फिलीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफात इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया। छवियों की बात चली है तो यह भी याद कर सकते हैं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन छतरी पकड़ कर कार तक आए थे। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि राजीव गांधी के लिए रोनाल्ड रीगन पक्के दोस्त हो गए थे। दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंध और छवियों की बात इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि इस समय देश और दुनिया में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और उधर अमेरिका में चार साल बाद डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हुई है। ट्रंप का सत्ता में लौटना अमेरिका समेत पूरी दुनिया में कई तरह के बदलावों का कारण बन रहा है, क्योंकि इस वक्त बिल्कुल निरंकुश अंदाज में ट्रंप शासन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके शुरुआती कुछ फैसले ही काफी विवादों में आए हैं, लेकिन ट्रंप किसी तरह से बदलते या अपना रुख नर्म करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के खास मायने हो जाते हैं कि इस बार किस अंदाज में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात और चर्चा होती है। याद रहे कि 2020 में नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर कूटनीतिक शिष्टाचार की सीमाएं तोड़ी थीं। इस बार ट्रंप जीते लेकिन उन्होंने अपने शपथ ग्रहण में नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया। श्री मोदी ने ट्रंप को फिर भी बधाई दी, और एक्स पर दिए अपने बधाई संदेश में माय फ्रेंड यानी मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन देते हुए चार ऐसी तस्वीरें चस्पां की, जिनसे लोगों के बीच मोदी-ट्रंप दोस्ती की छवि गाढ़ी हो जाए। हालांकि निजी स्तर के इस बधाई संदेश के बावजूद ट्रंप ने हथकड़ियों और जंजीरों के साथ अमेरिकी सैन्य विमान में भारतीयों को भेजकर यह जतला दिया कि वे ऐसी मित्रता और शिष्टाचार की रत्ती भर परवाह भी नहीं करते हैं। अमेरिका से भारत की लंबी दूरी में अमानवीय तरीके से लाए गए भारतीयों की छवि केवल देश के लोगों ने नहीं दुनिया ने देखी है और इसके बाद आस्ट्रेलिया के एक स्टेडियम में भारतीय दर्शकों से उनके वीजा के बारे में पूछकर उन्हें चिढ़ाने की घटना हुई, जिससे जाहिर होता है कि इस छवि का नुकसान विश्वव्यापी स्तर पर भारत को हुआ।वैसे भी भारत के लोगों को विदेशों में अनेक तरह के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। कई संपन्न और विकसित देश पढ़ने या काम करने गए आम भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते हैं, अब ऐसी घटनाओं के और बढ़ने की आशंका है। अगर मोदी सरकार तुरंत ही इस पर आपत्ति जताती तो शायद कड़ा संदेश जाता। प्रसंगवश बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अपने नागरिकों के लिए विमान भेजा और जब वे वापस लौटे तो खुद विमान के भीतर जाकर उन्हें आश्वस्त किया। इसी तरह वेनेजुएला ने अपने नागरिकों को अमेरिका से वापस बुलाया और जब वे विमानतल पर उतरे तो उनके स्वागत के लिए राष्ट्रपति खुद मौजूद थे। भारत में अमेरिका से हथकड़ियों में लाए गए नागरिकों को कैदियों वाली गाड़ी में उनके घरों तक भेजा गया। अपने नागरिकों को सम्मान देने और उनका सम्मान बचाने में सरकार तब चूक गई और अब देखना होगा कि नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात में इस बारे में कुछ कहते हैं या नहीं। हालांकि ट्रंप से मुलाकात से पहले पेरिस में श्री मोदी की मुलाकात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हुई। उनकी पत्नी उषा वेंस और बच्चों से भी श्री मोदी मिले और वेंस दंपती के बेटे विवेक को जन्मदिन पर बधाई दी, उपहार दिया। इस बात की जानकारी श्री मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी, लेकिन यह जिक्र नहीं हुआ कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से भारतीयों के अपमान की बात की या नहीं की। संभवतरू नहीं की, अन्यथा वे इसका ब्यौरा जरूर देते। अमेरिका से पहले श्री मोदी फ्रांस के दौरे पर थे, जहां से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो से हाथ मिलाते, गले मिलते, साथ बातें करते तस्वीरें भी आई हैं। लेकिन इसी अवसर की एक और तस्वीर आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस आयोजन में दुनिया भर के तमाम नेता, प्रतिनिधि मौजूद थे और राष्ट्रपति मैक्रो एक-एक करके सबके पास आकर हाथ मिला रहे थे और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सामने से उन्हें लगभग अनदेखा करते हुए वे निकल गए। श्री मोदी ने स्वाभाविक तौर पर अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन मैक्रो ने उनसे हाथ न मिलाते हुए अगले प्रतिनिधि की तरफ रुख किया। कुछ सेंकड की यह वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर वायरल है और इसकी चाहे जितनी सफाई देने की कोशिश की जाए, भारत के लिए यह अच्छी छवि नहीं है। क्योंकि इसमें सीधे तौर पर भारत के प्रधानमंत्री का अपमान फ्रांस के राष्ट्रपति ने किया है। अगर यह अनजाने में हुआ है तो इस पर खेद प्रकट हो जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, न ही भारत सरकार के विदेश विभाग ने इस पर कोई आपत्ति उठाई है, तो फिर सवाल उठता है कि क्या मोदी सरकार में अब विदेश नीति के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजों को भी परे कर दिया गया है। आप किस राष्ट्रपति को दोस्त कहते हैं, किसकी पीठ पर हाथ रखते हैं, किसे पहले नाम से पुकारते हैं, किसके साथ झूला झूलते हैं, किसके साथ नौका विहार करते हैं या किसके साथ जाम टकराते हैं, ये सारी बातें निजी रिश्तों की प्रगाढ़ता को भले दिखाती हैं, लेकिन यह सब किसी व्यक्ति के नाम नहीं बल्कि उसके पद के कारण संभव हुआ। नरेन्द्र मोदी के नाम के साथ भारत के प्रधानमंत्री का पद जुड़ा हुआ है, यह बात याद रहनी चाहिए और फिर उस पद की गरिमा को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए ही अपने विदेशी समकक्षों से व्यवहार होना चाहिए। श्री मोदी कम से कम सत्ता के तीसरे कार्यकाल में तो इस बात को समझें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख बनाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन्हीं पर है।

क्या विपक्षी एकता कायम रहेगी

सुरेश हिंदुस्तानी

वैसे विपक्ष को इसकी आदत-सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और था। वर्तमान राजनीतिक उतार-चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की क़्वायद कर चुके हैं, लेकिन यह क़्वायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए।

अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था,जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार विजय प्राप्त करता है,शेष पराजित होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपने भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती है, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती। वैसे विपक्ष को इसकी आदत-सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और था। वर्तमान राजनीतिक उतार-चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की क़्वायद कर चुके हैं, लेकिन यह क़्वायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार विपक्ष की एकता के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सुनियोजित रणनीति अपनाई, वह चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह सामने आ गया। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक मंच पर आएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम है। हालांकि कांग्रेस की ओर अपनाई गई यह रणनीति कोई नई बात नहीं है। कई दलों को ऐसा झटका मिल चुका है,स्वयं आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में ऐसा ही राजनीतिक खेल खेलकर कांग्रेस को सत्ता में आने से रोक दिया था। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम खुद इंडी गठबंधन या भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने किया है। कई राज्यों में एक-दूसरे के विरोध में ताल ठोकने वाले यह दिखावे की एकता वाले राजनीतिक दल आगे भी ऐसी ही नीति का अनुसरण करेंगे, इस बात की गुंजाइश ज्यादा दिखाई देती है। क्योंकि गठबंधन में शामिल होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल किसी भी दल से पीछे रहने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। कांग्रेस भी इसी मानसिकता से ग्रसित दिखाई देती है। राज्यों तक प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस को बेहद कमजोर मानकर व्यवहार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार कांग्रेस को आईना दिखाते हुए व्यवहार किया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी एक साथ आकर पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे,दूर की बात दिखती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को ज़मीन दिखाने के प्रयास में खुद के लिए आत्मघाती रास्ता तैयार किया। यह बात सही है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल अपने आपको कांग्रेस से बड़ा मानने लगे थे इसलिए कांग्रेस से किनारा कर चुनाव मैदान में अकेले कूदे और पहली बार सत्ता से दूर हो गए। कहा जाता है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उभार ने कांग्रेस का बंटाधार करने का काम किया। कहीं-कहीं यह भी सत्य है कि कांग्रेस के अप्रिय व्यवहार के चलते ही इन क्षेत्रीय दलों का गठन हुआ। इसलिए यह क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ मिलकर आसानी से चुनाव लड़ेंगे,यह बहुत व्यावहारिक नहीं दिखता। कई राज्यों में यह भी दिखाई दिया कि जिन क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस ने समझौता किया,उन राज्यों में कांग्रेस तो डूबी ही,साथ आने वाले दलों को भी डुबो दिया। कहीं-कहीं कांग्रेस को डूबता जहाज तक कहा गया। आज कांग्रेस की मजबूरी यह है कि उसे तिनके की जरूरत है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की स्थिति में जो मामूली सुधार हुआ,उसका कारण क्षेत्रीय दलों का सहयोग ही था। उत्तर प्रदेश में अगर समाजवादी पार्टी का साथ नहीं होता तो कांग्रेस आज की स्थिति में भी नहीं होती। दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम कहीं न कहीं विपक्षी एकता के सपने को चूर-चूर करने वाला भी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अब विपक्षी एकता कायम रह पाएगी।

त्यौहार-संस्कृति एवं जीवन-संस्कारों को धुंधलाने का दौर

ललित गर्ग

विदेशों की उपभोक्ता संस्कृति की अंधी नकल ने हमारी जीवनशैली, परिवार परम्परा, त्यौहार, खानपान, विचार आदि को दूषित किया है। बच्चे अच्छे से अच्छे शरबत की अपेक्षा कोल्ड डिंझक्स में अधिक रुचि रखते हैं। वाह! क्या आकर्षण है इन पेयों का और इन अंग्रेजी नामों का। मेकडोनाल्ड बच्चों के सिर चढ़कर बोल रहा है, पिज्जा, नूडल्स, चाउमीन ये सब आधुनिक खान-पान है। यह सब हमारी बदली मानसिकता का द्योतक है। दावतों एवं 'प्रीतिभोज' में 'बुफ़े' संस्कृति भी खूब चल पड़ी है। भारतीय परिस्थितियों में यह पूर्णतः 'गिद्ध भोज' दिखाई देता है।

पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण हमने न केवल भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला दिया है, बल्कि वैलेनटाइन डे जैसे पर्वों को महिमामंडित कर दिया है। भारत के प्रत्येक भू-भाग के अपने त्यौहार हैं, कुछ समान हैं तो कुछ उस भू-भाग की विशिष्टता लिए। परंतु इन्हें भी विकृत करने का व्यापक प्रयास हो रहा है। हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फुहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और बड़े व्यावसायिक संस्थान अपने लाभ के लिए देश में ऐसे उत्सवों/पर्वों को स्थापित कर रहे हैं, जिनका हमारी संस्कृति से मेल नहीं है। फ़ेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेनटाइन डे- ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं?

भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं। यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान् संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद उसके साथ कुछ गलत हुआ है, और वह गलत दिनोंदिन गहराता गया है जिससे सारा माहौल ही प्रदूषित हो गया है, जीवन के सारे रंग ही फिके पड़ गये हैं, हम अपने ही भीतर की हरियाली से वंचित हो गए लोग हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार। न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में सामूहिकता का स्वर, बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूं लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। क्या यह प्रतीक्षा झूठी है? क्या यह अगवानी अर्थशून्य है? विदेशों की उपभोक्ता संस्कृति की अंधी नकल ने हमारी जीवनशैली, परिवार परम्परा, त्यौहार, खानपान, विचार आदि को दूषित किया है। बच्चे अच्छे से अच्छे शरबत की अपेक्षा कोल्ड डिंझक्स में अधिक रुचि रखते हैं। वाह! क्या आकर्षण है इन पेयों का और इन अंग्रेजी नामों का। मेकडोनाल्ड बच्चों के सिर चढ़कर बोल रहा है, पिज्जा, नूडल्स, चाउमीन ये सब आधुनिक खान-पान है। यह सब हमारी बदली मानसिकता का द्योतक है। दावतों एवं 'प्रीतिभोज' में 'बुफ़े' संस्कृति भी खूब चल पड़ी है। भारतीय परिस्थितियों में यह पूर्णतः 'गिद्ध भोज' दिखाई देता है। पहनावे की तो बात ही न पूछो। क्या सोशल मीडिया शरीर पर न्यूनतम कपड़ों को दिखाने की होड़ में नहीं लगा हैं? हमने क्यों अपनाया 'टाइट जीन्स', 'मिनी स्कर्ट' तथा 'हॉट पेंट्स' को। क्या साड़ी-ब्लाउज, सलवार कुर्ता, काँचली-कुर्ती, ओढ़नी-घाघरा कम आकर्षक हैं? हम क्यों माता-पिता की छवि को आहत करते हुए उन पर अश्लील टिप्पणियां करते हुए स्वयं को आधुनिक मानते हैं? यह संस्कृति एवं संस्कारों को धुंधलाना नहीं है तो क्या है? परिवार वह इकाई है, जहाँ एक ही छत के नीचे, एक ही दीवार के सहारे, अनेक व्यक्ति आपसी विश्वास के बरगद की छाँव और सेवा, सहकार और सहानुभूति के घेरे में निश्चित रहते हैं। परिवार वह नीड़ है, जो दिन-भर से थके-हारे पंछी को विश्राम देता है। लेकिन मियाँ, बीवी व बच्चों की इकाई ही आज परिवार है, इस एकल परिवार संस्कृति वाले दौर में माँ-बाप, भाई-बहन की बात करना बेमानी लगता है। परंतु लगता है जहाँ पति-पत्नी दोनों ही अर्थोपार्जन के लिए नौकरी या व्यवसाय करते हैं, उन्हें संयुक्त परिवार और कम से कम माता-पिता या किसी बुजुर्ग की याद आने लगती है। हाँ 'बेबी सिटर', 'आया' या 'क्रेच' भी यह काम कर लेगा, परंतु परिवार की गरमाहट तो वह दे नहीं सकता। स्वस्थ परिवारों एवं भारतीय संस्कृति की संस्कार-सुरभि ही समाज और राष्ट्र की काया को स्वस्थ/प्रफुल्ल रख सकती है। और इसी से बिखरते संयुक्त परिवार एवं जीवन मूल्यों को बचाया जा सकता है। देश को अपनी खोयी प्रतिष्ठा पानी है, उन्नत चरित्र बनाना है, स्वस्थ समाज की रचना करनी है और समृद्ध संस्कृति को ऊच्च शिखर देने हैं तो हमें एक ऐसी जीवनशैली को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे। कदाचार के इस अंधेरे कुएँ से निकले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, हमें खोज सुख की नहीं सत्व की करनी है क्योंकि सुख ने सुविधा दी और सुविधा से शोषण जनमा जबकि सत्व में शांति के लिये संघर्ष है और संघर्ष सचाई तक पहुंचने की तैयारी। हमें स्वयं की पहचान चाहिए और सारे विशेषणों से हटकर इंसान बने रहने का हक चाहिए। इस खोए अर्थ की तलाश करनी ही होगी। उपभोक्ता बनकर नहीं मनुष्य बनकर जीना नए सिरे से सीखना ही होगा। संस्कृति और मूल्यों के नष्ट अध्यायों को न सिर्फ पढ़ना-गढ़ना होगा, बल्कि उन्हें नया रूप और नया अर्थ भी देना होगा। एक नई यात्रा शुरू करनी होगी। इसके लिये हमारे पर्वों एवं त्यौहारों की विशेष सार्थकता है। श्रीकृष्ण ने कहा है- जीवन एक उत्सव है। उनके इस कथन पर भारतीयों का पूर्ण विश्वास है। हम जीवन के हर दिन को उत्सव की तरह जीते हैं, ढेरों विसंगतियों और विदूरपताओं से जूझते हुए। संकट में होशमंद रहने और हर मुसीबत के बाद उठ खड़े होने का जज्बा विशुद्ध भारतीय है और ऋतु-राग गुनगुनाते हुए अलग-अलग मौसम में उत्सव मनाने का भी। यही वजह है कि हम गर्व से कहते हैं- फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी... पर इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि बदलती दुनिया के असर से उत्सवधर्मिता का जज्बा काफी प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा हमारे पर्व और त्यौहार की संस्कृति ही धुंधली हुई है। खेद की बात है कि हमने पश्चिम की श्रेष्ठ परम्पराओं को आत्मसात नहीं किया, बल्कि उसके उपभोक्तावाद एवं अपसंस्कृति के शिकार बने। हमें भारतीय पर्व और त्यौहार की संस्कृति को समृद्ध बनाना होगा। प्रयागराज का महाकुंभ ऐसी ही समृद्धि ला रहा है। वहां भोर का उगता सूरज, बल खाती नदी, दूर तक फैला मैदान, सिंदूरी शाम, दूर से आती ढोलक की थाप, पीछे छूटती दृश्यावलियां... हमारे भीतर रच-बस जाती हैं। यही सब जीवन की संपदाएं हैं, हमारे अंतर में जगमगाती-कौंधती रोशनियां हैं, जिनकी आभा में हम उस सब को पहचान पाते हैं जो जीवन है, जो हमारी पहचान के मानक हैं, जो हमारी संस्कृति है। हम भारत के लोग इसलिए विशिष्ट नहीं हैं कि हम 'जगतगुरु' रहे हैं, या हम महान आध्यात्मिक अतीत रखते हैं। हम विशिष्ट इसलिए हैं कि हमारे पास मानवता के सबसे प्राचीन और गहरे अनुभव हैं। ये अनुभव सिर्फ इतिहास और संस्कृति के अनुभव नहीं हैं, इसमें नदियों का प्रवाह, बदलते मौसमों की खुशबू, विविध त्यौहारों की सांस्कृतिक आभा और प्रकृति का विराट लीला-संसार समाया हुआ है।

पुलवामा हमले में शहीद हुए अजीत कुमार आज़ाद सहित सभी शहीदों किया नमन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। चौरा स्थित शहीद स्मारक में पुलवामा हमले में शहीद हुए अजीत कुमार आज़ाद सहित शहीद हुए 40 जवानो की याद में वीर नारी मीना गौतम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता व '' नर सेवा - नारायण सेवा '' के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने शहीद अजीत कुमार आज़ाद सहित पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 जवानो को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि 14 फरवरी 2019 का वो दिन व तारीख जिसे देश कभी नहीं भूल सकता पुलवामा आतंकी हमले को भले ही 6 साल बीत गये हो लेकिन इसकी कसक और दर्द आज भी लोगो के जहन में ताजा है उन्होंने ने परिजनों की मांग पर स्मारक स्थल के अंदर फुटपाथ व कमरा बनवाने का अस्वासन दिया। विमल द्विवेदी? ने कहाँ कि ये दिन भारत के इतिहास में काला दिन था इस आतंकी हमले ने भारत की आत्मा को झकझोर दिया था उन्होंने कहाँ आतंक वाद को ख़त्म करने में सभी दलों को एक होना चाहिए क्योकि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणो की आहुति देने वाले वीर सपूतो का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए उन्होंने सरकार से आज के दिन को शहीद दिवस घोषित करने का आग्रह किया व युवाओ से आज के दिन को ''वेलेंटाइन डे नहीं शहीद दिवस मानाने की अपील की इस अवसर पर पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने भी शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया व अपने अपने विचार व्यक्त किये व सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर धर्मेंद्र बहादुर सिंह व इंस्पेक्टर नन्दलाल व विमल द्विवेदी ने वीर नारी मीना गौतम व शहीद के पिता को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी ,राकेश राजपूत ,एके दीक्षित ,आरके मिश्रा , शिवम आज़ाद ,कैप्टन वीरेंद्र सिंह, केपी कुशवाहा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गैर-इरादतन हत्या करने वाले अभियुक्त को सात वर्ष के कारावास की सजा

बांदा। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में वर्ष-2018 में थाना बिसंडा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम अमलोहरा में व्यक्ति की मारपीट कर गैर इरादन हत्या करने वाले अभियुक्त को 07 वर्ष के कारावास व जुर्माने से दण्डित कराया गया । गौरतलब हो कि 4 अगस्त 18 को थाना बिसंडा क्षेत्र के ग्राम अमलोहरा के रहने वाले रामदयाल को गांव के ही जागेश्वर पुत्र प्यारे ने मारपीट कर गम्भीर रुप से घायल कर दिया जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी । इस सम्बन्ध में मृतक की पत्नी शिवकुमारी द्वारा 8 अगस्त 18को थाना बिसंडा पर तहरीर दी गयी जिस पर थाना बिसंडा पर धारा 304/323/504/506 भादवि पंजीकृत किया गया था जिसकी विवेचना उ0नि0 विनोद कुमार सिंह द्वारा सम्पादित की गयी । विवेचना के क्रम में विवेचक द्वारा प्रभावी विवेचना करते हुए 18 सितंबर 18 को आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया था।

बांदा क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में बांदा किंग्स ने मारी बाजी

- कृष्णा सिंह बने मैन ऑफ द मैच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन बांदा द्वारा आयोजित बांदा क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले का बांदा चौलेंजर वर्सेज बांदा किंग्स खेला गया ।जिसमें बांदा किंग्स ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। जिसमें चौलेंजर ने पहले बैटिंग करते हुए 16.2 ओवर में 96 रन पर आल आउट हो गई । जिसमें गौरव यादव ने 21 रनो ओर युवराज ने 15 रन बनाए जिसमें लवलेश यादव ने 3 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए यदुवेन्द्र यादव ने 2 ओवर में 1 मेडन 1 विकेट लिया जिसके जवाब बैटिंग करने उसरी बांदा किंग्स ने महज लक्ष्य बांदा किंग्स की टीम 15.3 ओवर मे 6 विकेट से जीत हासिल किया । मैन आफ द मैच कृष्णा सिंह 58 रन बनाए और प्रकाश ने 19 रनों का योगदान दिया ।मैन ऑफ द मैच कृष्णा सिंह को चन्द्र मौली भारद्वाज संजय मिश्रा राम किशोर राम मिलन गुप्ता और चंद मौली भारद्वाज रेहान खान और प्रदीप गुप्ता के हाथों से दिया गया ।बांदा किंग ने फाइनल मुकाबला अपने नाम किया जिसमें प्राइस डिस्ट्रीब्यूशन के साथ खिलाड़ियों को पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री विजेंद्र पांडे (विज्जुभाई) ने खिलाड़ियों को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया । बांदा क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री चन्द्र मौली भारद्वाज ने सबका आभार व्यक्त किया।

सीनियर खिलाड़ी अजय कुमार अबरार फारूकी दीपांक मेहरा क्रीड़ा सचिव राम मिलन गुप्ता , प्रदीप गुप्ताऔर संदीप नामदेव , सुनील सक्सेना, आदिल अहमद दुर्गेश भदौरिया विजय राय रेहान खान रामकिशन सोनी, मोहम्मद अहमद, अब्बास,रामकिशोर, स्कंद भारद्वाज अजय वर्मा, कुलदीप त्रिपाठी प्राचार्य डी आर पब्लिक स्कूल , पीयूष द्विवेदी, शैलेंद्र, अजहर अहमद ,विकास कुमार,कृष्णा सिंह आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक ने अपने परिवार को फाइलेरिया रोधी दवा का कराया सेवन

शाहजहांपुर/दिनांक राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में 10 फरवरी 2026 से 26 फरवरी 2025 तक संचालित होने वाले एम0डी0ए0 कार्यक्रम के अनतर्गत टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक राजेश एस के आवास पर जाकर उन्हें एवं उनके परिवार को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया गया। इस क्रम में पुलिस अधीक्षक ने चारो ब्लाको भावलखेड़ा, तिलहर, जलालाबाद, मिर्ज़ापुर एवं नगर क्षेत्र की जनता से अपील की कि सभी व्यक्ति अभियान के दौरान जब टीमें आपके घर दवा लेकर जाये तो टीम के समक्ष दवा का सेवन अवश्य करें उन्होने यह भी कहा कि दिनाँक 16 दिन रविवार को पुलिस लाईन में टीम भेजे और सभी परिवारो को दवा का सेवन अवश्य कराये। इस क्रम में उनहोने कहा कि आज मै स्वयं ही इस अभियान की जानकारी पुलिस लाईन में रहने वाले सभी परिवारो तक प्रचारित करवा दूंगा और यह सुनिश्चित करूगां कि पुलिस लाईन में रहने वाले समस्त परिवार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन अवश्य करें। इस दौरान अर्बन नोडल अधिकारी डा0 मनोज मिश्रा एवं जिला मलेरिया अधिकारी उपस्थित रहें।

पालिका अध्यक्ष व ईओ ने शुरू किया अभियान

शुक्लागंज-उन्नाव। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा ने जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए यह अभियान शुरू करने का निर्णय लिया। शाम के समय फोरलेन पर पालिका कर्मचारियों की टीम ने लाउडस्पीकर से एनाउंसमेंट कर लोगों को अवैध कब्जा हटाने की चेतावनी दी। नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो सक्षम प्राधिकारी और मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पालिका और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा। साथ ही संबंधित अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि यदि किसी दुकानदार या व्यक्ति का अतिक्रमण जबरन हटाया जाता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी उसी की होगी। यह अभियान मुख्य मार्गों, बाजारों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाने के लिए चलाया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोमबत्ती जलाकर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

शुक्लागंज-उन्नाव। पुलवामा आतंकी हमले में अपने प्राणों की आहुति देने वाले मां भारती के वीर जवान शहीदों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को आनंद घाट स्थित राष्ट्रीय ध्वज के नीचे मोमबत्ती जलाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। जिला सचिव पुत्तीलाल वर्मा ने कहा अमर जवानों का यह बलिदान राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च प्रतिमान है हमारे राष्ट्र के लिए उनकी सेवा और बलिदानों को हमेशा याद रखा जाएगा। नगर अध्यक्ष मयंक वाजपेई जी ने कहा हमारे देश के वीर जवान हमारी रक्षा करते हुए अपने प्राण तक निछावर कर देते हैं उनकी यह कुर्बानी कभी भी बेकार नहीं जाएगी आज पूरा देश उनको नमन करता है। नगर महामंत्री रवि शंकर गुप्ता ने कहा पुलवामा हमले को 6 साल बीत गए लेकिन आज भी यह घटना दिल को इस तरह दहला देती है जैसे कि यह सब अभी-अभी हुआ हो 14 फरवरी 2019 एक तारीख जिसे भारत कभी नहीं भुला सकता। नगर महासचिव जयपाल साहू ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा कायराना हमला बहुत निंदनीय है। श्रद्धांजलि देने वालों में संजय सिंह, मुन्ना सोनी, पिंटू तिवारी, माली बाबा, रामचेतन भास्कर आदि उपस्थित रहे हैं।

क्रिकेट ट्रॉफी टूर्नामेंट में शाइनिंग स्टार ने दर्ज की जीत

शुक्लागंज-उन्नाव। स्थानीय रामकली स्टेडियम में मां ज्वालादेवी क्रिकेट ट्राफी टूर्नामेंट का रोमांच अपने चरम पर है। शुक्लागंज नगर के 91वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस 21वीं प्रतियोगिता का छठा मैच शाइनिंग स्टार और अंबिका प्रसाद के बीच खेला गया, जिसमें शाइनिंग स्टार ने पांच रन से रोमांचक जीत दर्ज की। शाइनिंग स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 211 रन बनाए, जिसमें रहमान के 76 और राहुल के 62 रनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंबिका प्रसाद के गेंदबाज प्रियांशु ने तीन विकेट लेकर शाइनिंग स्टार की पारी को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मेहनत बेकार गई।

दबिश के दौरान 15 अभियोग पंजीकृत कर 485 लीटर अवैध शराब की बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अवैध मदिरा की बिक्री व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रवि शंकर के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 13.02.2025 जनपद उन्नाव के आबकारी निरीक्षकों द्वारा मय स्टाफ ग्राम लक्ष्मीखेडा थाना गंगाघाट, सरायथोक (नटपुरवा) मजरा माखी थाना माखी, बोडे का पुरवा थाना सफीपुर, गौरी, हिलौली बाजार थाना मौरावा, नमा खेडा थाना बिहार, देवल खेडा थाना बॉगरमऊ में दबिश दी गयी।

दबिश के दौरान कुल 15 अभियोग आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत करते हुए कुल 485 ली0 अवैध शराब की बरामदगी की गई तथा लगभग 1070 किग्रा0 लहन नष्ट किया गया।

दिव्यांगों को नि:शुल्क वितरण की गई ट्राई साइकिल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के द्वारा किया गया आयोजन

बबेरू/बांदा। बबेरू ब्लाक परिसर में दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश के द्वारा बबेरू कमासिन, बिसंडा, तिंदवारी,विकासखंड के लाभार्थियों को शुक्रवार की दोपहर निरूशुल्क ट्राई साइकिल का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख रमाकांत पटेल रहे, वहीं आए हुए अतिथियों को दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। वहीं दिव्यांगों को सरकार के द्वारा दी जा रही योजनाओं के बारे में दिव्यांग जनों को अधिकारियों के द्वारा जानकारी दी गई। और सभी चारों विकास खंड से आए 40 दिव्यांग जनों को निशुल्क ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि विधायक विशंभर सिंह यादव व विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख रमाकांत पटेल, के द्वारा फीता काटकर दिव्यांग जनों को माला पहनकर ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। उसके बाद विधायक व ब्लाक प्रमुख के द्वारा हरी झंडी दिखा कर दिव्यांगों को ट्राई साइकिल के साथ रवाना किया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी गरिमा अग्रवाल दिव्यांग कल्याण अधिकारी अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ लिपिक किशन कुमार, कामता प्रसाद, राम सिया, एडीओ पंचायत राजेश कुमार सिंह, आईएसबी अनिल श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने निक्षय पोषण किट का वितरण लाभार्थियों को किया

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलनक कार्यक्रम हेतु क्षय रोग की रोकथाम एवं बचाव हेतु क्षय रोग से पीडित लोगों को निक्षय पोषण किट का वितरण लाभार्थियों को किया। राज्यपाल के निर्देशों के कम में जनपद के विभिन्न अधिकारियों द्वारा क्षय रोगियों को गोद लेकर उनके पोषण की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा गोद लिए गये क्षय रोगियों को पोषण किट का वितरण किया। इन रोगियों को छः माह तक पोषण किट का वितरण नियमित रूप से करते हुए स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनिल श्रीवास्तव, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय कुमार एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- व्यवस्थाओं का जायजा लिया, खामियां मिलने पर संबंधितों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश
- साफ-सफाई और मरीजों के साथ मित्रवत व्यवहार करने के दिए निर्देश

शाहजहांपुर। शुक्रवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह आज शुक्रवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पहुंच गए। साथ ही जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई कार्यालय, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, दवाई स्टोर रूम एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पहुंचकर दवाई हेतु पर्चा बनने, दवाई वितरण, मरीज पंजीकरण पंजिका एवं उपस्थित पंजिका का अवलोकन किया। उन्होंने दवा लेने आए मरीज से मिलने वाली चिकित्सीय व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने 70 वर्ष से अधिक बन रहे आयुष्मान जन आरोग्य कार्ड के संबंध में जानकारी ली और निर्देश दिए कि कोई भी 70 वर्ष से अधिक व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनने से वंचित न रहे तथा शेष बनने से बचे आयुष्मान कार्डों को 28 फरवरी बना लिए जाए। जिलाधिकारी ने दवाई स्टोर रूम में पहुंचकर दावों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली तथा स्टॉक से दावों का मिलान करवाया। स्टोर रूम में रखें कुलर, इनवर्टर को देखकर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आवश्यकता अनुसार सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजवाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि पुराने जिला चिकित्सालय के क्षेत्रफल का लेखपाल द्वारा सर्वे कराकर क्षेत्रफल से अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में पहुंचकर चल रहे टीबी अभियान के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने जनपद में चल रहे प्राइवेट अस्पतालों एवं अल्ट्रासाउंड के रजिस्ट्रेशन के संबंध में जानकारी ली। सीएमओ द्वारा 119 प्राइवेट अस्पताल एवं 66 अल्ट्रासाउंड के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि नियमित सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अन्सार अली सहित संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

एसपी कार्यालय के गेट पर हंगामा, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

शाहजहांपुर। आज थाना खुटार क्षेत्र के गांव रजमना निवासी अजीत सिंह और थाना तिलहर क्षेत्र के नरसा नगला निवासी रामदेवी के परिजनों ने एसपी आफिस गेट पर जमकर हंगामा काटा। सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे सदर इंस्पेक्टर अरविंद सिंह ने किसी तरह दोनों परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया और एसपी के पास लेकर गए। एसपी ने दोनों मामले की जांच सीओ तिलहर ज्योति यादव को सौंपी है। थाना खुटार क्षेत्र के गांव रजमना निवासी अजीत सिंह ने बताया कि वर्ष 2022 में उसका गांव के डायल 112 पर तैनात होमगार्ड सुधीर कुमार आदि से विवाद हो गया था। उन्होंने सुधीर आदि पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना में सांठ-गांठ कर खुटार पुलिस ने सुधीर का नाम निकाल दिया। इसके बाद रंजिश के चलते सुधीर ने कोर्ट के आदेश पर उसके पिता, चारों भाईयों, पत्नी, भाभी, बहन आदि पर गंभीर धाराओं में फर्जी रिपोर्ट दर्ज करा दी। जिसमें वो जेल भी गया। बताया कि पुलिस ने उसके भाई कुलदीप पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर जिला बदर कर दिया है। कहा कि कई बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन सुधीर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। मांग की गई कि जांच कर आरोपी सुधीर का नाम बढाकर उसे जेल भेजा जाए।

कलश विसर्जन के लिए जा रही भक्तों की ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, 22 घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर-उन्नाव। क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। छत्ता खेड़ा गांव में सात दिवसीय भागवत कथा के समापन पर गंगा में कलश विसर्जन के लिए जा रहे भक्तों की ट्राली पलट गई। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 22 लोग घायल हो गए। घटना चकलवंशी के पास हुई, जहां ट्रैक्टर-ट्राली को एक पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। घायलों में 7 से 65 वर्ष तक की उम्र के लोग शामिल हैं। घायलों में दीपू (28), रामनाथ (40), विमला यादव (35), दीपांशी (16), आयुष (10), शिवा (7), पियारा (65), राजकुमारी (60), नवनीत (15), अर्चना (15), कलावती (60), रोहित (10), अरुण (12), सोनम (18), शानू (16), ममता (14), शिवम (12), रागिनी (8), मिथलेश (27), रामदेवी (36), रागिनी (14) और शिवकुमारी (50) शामिल हैं। सभी घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 20 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है।

सरकारी कार्यालयों में बिना हेलमेल के वाहनों का नहीं होगा प्रवेश

बांदा। आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा अजीत कुमार ने मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन, परिवहन अनुभाग-3, लखनऊ द्वारा के निर्देशों के अनुपालन में यह आदेश दिये है कि सभी शासकीय एवं अर्द्ध-शासकीय कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी जो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे हेलमेट अनिवार्य रूप से पहने और उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्री (पिलियन राइडर) के लिये भी हेलमेट पहनना आवश्यक हो। इसी प्रकार, जो अधिकारी, कर्मचारी चार पहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें एवं अन्य सभी सह यात्रियों के लिये सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य हो।

बेसहारा पशुओं के साथ निर्ममता की हदें पार कर रहे जिम्मेदार

राष्ट्रीय प्रस्तावना में खबर प्रकाशित होने के बाद जागा प्रशासन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विगत एक माह में तीन दर्जन से अधिक गौमाताओं की हुई गौशालाओं में मौत
- अधिकांश मौतें भूख से हुई,,सिस्टम में दिखाया बीमारी से हुई मौत
- मुख्य विकास अधिकारी के आदेशों को सेक्रेटरी ने हवा में उड़ाया
- बेसहारों की गौशाला के अंदर हो रही मौतों पर डीएम हुए सख्त,,खुद ही करेंगे निरीक्षण,संबंधित लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों के खिलाफ होगी कार्यवाही
- जिम्मेदार लोग अपना पेट भरने में लगे,पशुओं को सूखा भूसा खिलाकर झाड़ लेते अपना पल्ला

शाहजहांपुर। इससे ज्यादा और शर्मसार करने वाली क्या बात होगी कि जो सरकार प्रदेश में बेसहारा गोवंश को चारे से लेकर बीमारी के उपचार के लिए अरबों रुपए पानी की तरह बहा रही है ।उसी सरकार के अधिकारी उन पैसों से अपना तो जमकर पेट भर रहे हैं लेकिन भूख से तड़प तड़प कर प्राण त्याग रही गौमाता उनको दिखाई नहीं दे रही है।विगत एक माह में केवल तीन गौशाला में तीन दर्जन से अधिक गौमाता भूख से तड़प तड़प कर अपने प्राण त्याग दिए।ये गौशाला हैं हसनपुर रसकूपा, इन्देपुर,गंधार।ये तो ग्रामीणों की जागरुकता की वजह से पूरा खुलासा हो गया नहीं तो गौशाला से संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे मामले पर पर्दा डाल दिया था।चार दिन पूर्व ग्राम हसनपुर रसकूपा के ग्रामीणों को गौशाला के अंदर से तेज बदबू आनी लगी।तमाम ग्रामीण एकत्र होकर गौशाला के अंदर घुस गए।अंदर की स्थिति देख ग्रामीणों के होश उड़ गए।पांच छः गाय मृत पड़ी थीं जबकि एक दो गायों के कंकाल पड़े हुए थे।ग्रामीणों ने इसकी शिकायत खण्ड विकास अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी संबंधित अन्य अधिकारियों को सूचित किया।लेकिन अधिआरियो के पहुंचने से पहले ही गौशाला में गायों की सेवा में लगे गौपालको ने मृत गाओ को ठेली में लादकर खेतों में गढ़वा दिया।इसी प्रकार ग्राम गंधार की गौशाला में तीन दिन पूर्व ही एक दर्जन से अधिक गौमाता बेहत कमजोरी की अवस्था में जमीन पर गिर गई।।और ऐसे गिरी की आधा दर्जन अच्छी खासी गायों की मौत हो हो गई।सूचना पर डाक्टरों ने बीमार गौमाताओं का इलाज की खानापूर्ति कर दी।नतीजा ये निकला कि आधा दर्जन गायों की यहां भी मौत हो गई और आधा दर्जन से ज्यादा मौत के मुंह में पड़ी है।

अधिकारियों के आदेश को हवा में उड़ाया

शाहजहांपुर। इसे कर्मचारियों की हठधर्मी ही कहेंगे कि विभाग के बड़े अधिकारी का आदेश ही गौशाला के जिम्मेदार सेक्रेटरी और रोजगार सेवक ने हवा में उड़ा दिया। एक सप्ताह पूर्व मुख्य विकास अधिकारी ने कांट छेत्र की इन्देपुर गौशाला का मुआयना किया था। निरीक्षण में उन्हें तमाम खामियां मिली थीं।साथ ही पशुओं को केवल भूसा खिलाने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल हरे चारे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे साथ ही गंभीर रूप से बीमार पशुओं को जिम्मेदारी से उपचार कराने के निर्देश दिए थे।लेकिन मुख्य विकास अधिकारी के गौशाला से निकलने के बाद उनके आदेश हवा में उड़ा दिए गए।चूंकि गौशालाओं की स्थिति ज्यादा खराब है,पशुओं की मौत हो रही है।सैकड़ों पशु बीमार हैं ऐसे में जिलाधिकारी महोदय ने खुद ही गौशालाओं के निरीक्षण करने और लापरवाह अधिकारियों,कर्मचारियों पर कार्यवाही की बात कही है।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना-
NER-LJN-2025-06
ई-निविदा संख्या: NER-LJN-2025-06
www.ireps.gov.in
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
लखनऊ

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

1.	निविदा सूचना संख्या	01502025 dated 13.02.2025
2.	निविदा संख्या	38-Sr.DEN-II-LKO/2024-2025
3.	कार्य का नाम	[illegible]
4.	अनुमानित लागत	Rs. 2,72,16,396.83
5.	धरोहर राशि	Rs. 2,86,100.00
6.	कार्य की समापन अवधि	[illegible] 12 माह
7.	निविदा डालने का प्रारंभ	21.02.2025
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	07.03.2025 को 15:00 बजे
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

513/25

तहसील में शौचालय बदहाल, गंदगी से लोग परेशान, जिम्मेदार बेखबर

साफ-सफाई न होने से फैली है गंदगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा तहसील दफ्तर में धरातल और ऊपरी तल पर आम लोगों के अलावा यहां पर तैनात कर्मचारियों की सुविधा के लिए बने शौचालय स्वच्छ भारत मुहिम को चिढ़ा रहे हैं। शौचालय नियमित देखरेख एवं सफाई न होने के कारण बदहाल हो गए हैं। यहां गंदगी का अंबार लगा है।

प्रशासनिक कार्यालय में शौचालय की हालत बेहद खराब है। ज्ञात हो सन्नी और कमल किशोर नाम दो सफाई प्रशासन से नियुक्त है सूत्र बताते हैं कि दोनों कर्मी अधिकारियों की जी हुजूरी में लगे रहते हैं। तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजू शुक्ला ने कहा कि धरातल पर एसडीएम दफ्तर, कोर्ट, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से संबंधित स्टाफ के कमरे हैं। वहीं ऊपरी तल पर तहसील सभागार, पूर्ति निरीक्षक, राजस्व लिपिक सहित अन्य कार्यालय स्थित हैं। दोनों जगह आम लोग एवं अधिकारियों की सुविधाओं के लिए केवल एक मात्र शौचालय

भूतल में बना हैं। लेकिन शौचालय की साफ-सफाई की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। अधिवक्ता बुधेश पांडेय और मनीष मिश्रा का कहना है कि शौचालय गंदगी से बदहाल हो चुका है। शौचालय का फाटक से ही बदबू आती है। जिससे लोगों को परेशानी होती है। तहसील के बाहर वकील संघ के बने शौचालय की हालत इससे बदतर हैं। अधिवक्ता संघ ने कई बार शौचालय की मरम्मत एवं साफ-सफाई की मांग की। लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। कर्मचारियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि बदहाल शौचालय गंदे होने के कारण यहां पर रोजाना कार्यों के लिए आने वाले लोगों को दुश्वारियां होती है। शौचालय की हालत दयनीय होने के कारण सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों और महिलाओं को झेलनी पड़ती है।

वीएनएमपीएस के छात्रों ने जेईई मेन में किया शानदार प्रदर्शन

बांदा। शहर के विद्यावती निगम मेमोरियल स्कूल के मेधावी छात्र कुशाग्र बैंगहा ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए जेईई मेन परीक्षा में 99.95 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं। उसी के साथ-साथ आशुतोष सिंह (98.40प्रतिशत), प्रियांश चौरसिया (96.40 प्रतिशत) और सिद्धांत कुमार (90.00 प्रतिशत) अंक पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। छाबी तालाब मोहल्ला निवासी एवं व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष, प्रतिष्ठित गल्ला व्यापारी अशोक गुप्ता बैंगहा (राजू भैया, गणेश राइस मिल वाले) और श्रीमती कंचन गुप्ता के पुत्र कुशाग्र ने अपनी मेहनत और लगन से यह शानदार सफलता प्राप्त की है। हालांकि, ऑल इंडिया रैंकिंग की आधिकारिक घोषणा अभी एनटीए द्वारा नहीं की गई है, लेकिन उनके उच्च अंक बेहतरीन रैंक की ओर इशारा कर रहे हैं। परिवार, रिश्तेदारों और परिचितों के बीच जश्न का माहौल है। सभी उन्हें बधाइयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं।

सीजीएनएन पीजी कॉलेज में खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। केन ग्रोअर्स नेहरू डिग्री कॉलेज,गोला-में 14 फरवरी, को 56 वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगरपालिका परिषद गोला रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना सानिध्य बलविन्दर सिंह काके समाजसेवी,दिलबाग सिंह,अशोक सक्सेना ने प्रदान किया। इस अवसर पर बलविन्दर सिंह काके समाजसेवी, ने अपने उद्बोधन में मिल्खा सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन, दीप प्रज्ज्वलन किया तथा फीता काटकर शांति एवं सद्भावना के प्रतीक कबूतर को उड़ाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी साथ ही यह भी कहा ''खेल में प्रतिभाग करना आवश्यक है, हार जीत उतनी महत्वपूर्ण नही है। जीतने का महत्व उसी को पता होता है जो पहले हारा रहता है।'' नगर पालिका अध्यक्ष ने महाविद्यालय मे प्रकाश की समुचित व्यवस्था का आश्वासन प्रदान किया। जिसके लिए महाविद्यालय परिवार ने अध्यक्ष नगर पालिका गोला का हृदय से आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय में आये हुए विशिष्ट अतिथियों ने भी खिलाड़ियों के अनुशासन की सराहना की तथा अपने संस्मरणों के माध्यम से खिलाड़ियों को सत्प्रेरणा देने का प्रयास किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। साथ ही बताया ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।'' इसलिए शारीरिक गतिविधियाँ प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता मे प्रथम दिवस में छात्र/छात्राओं की 100मी. 200 मी. 400मी.800मी.1600मी. रेस तथा जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉटपुट, आदि विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। समस्त प्रतियोगिताएं नवनीत कुमार प्रभारी शारीरिक शिक्षा के दिशा-निर्देशों मे संपन्न हुई। जिसमें डॉ. गौरव अवस्थी सहित अन्य सभी प्राध्यापकों महत्वपूर्ण योगदान के चलते प्रथम दिवस की प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त आचार्यगण तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

चाइनीज माँझे से स्कूटी सवार युवक हुआ घायल गंभीर हालत में अस्पताल में कराया गया भर्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। मौर्या कॉलोनी लखीमपुर निवासी योगेश रस्तोगी बृहस्पतिवार को करीब शाम 5:00 बजे अपने काम से स्कूटी से जाते समय डॉन बॉस्को के निकट नाहरिया पर रास्ते में अचानक चाइनीस मांझा आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्कूटी से गिरने पर हाथ पैर और सर में काफी छोटे आई। स्कूटी सवार युवक का गला मांझे से कई जगह रेत गया है स्कूटी चलाते समय गिर भी गया जिससे हाथ पैर तथा सिर में भी कई जगह चोट आ गई है। युवक काफी समय तक नाहरिया पर बेहोश पड़ा रहा जब आसपास के लोगों ने देखा तो उठाया तुरंत नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। अस्पताल में ले जाने के काफी समय बाद युवक को होश आया तब फोन के माध्यम से घर पर सूचना की गई लेकिन युवा की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है।

युवक के परिवार वालों का कहना है कि प्रशासन ने चाइनीस मांझे की रोक के लिए कोई कठोर कार्रवाई नहीं की है। मकर संक्रांति के समय एसडीएम सदर ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया था लेकिन कुछ ही देर बाद बगैर किसी कार्रवाई के छोड़ दिया था। शहर में इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी है लेकिन चाइनीस मांझा विक्रेताओं पर कोई लगाम नहीं लगा है। योगेश के भाई हिमांशु रस्तोगी ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य सक्षम अधिकारियों से की है, हिमांशु का कहना है कि चाइनीस मांझा विक्रेताओं पर तथा इसके प्रयोग करने वालों पर प्रशासन ऐसी कार्रवाई करें ताकि लोगों के लिए नजीर बने।

सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत

बांदा। वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई ।मौत की खबर मिलते ही घर वालों में कोहराम मच गया ।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गिरवा थाना क्षेत्र के बड़ोखर बुजुर्ग गांव निवासी विकास सिंह 20 पुत्र विपिन सिंह गुरुवार की रात बाइक से बांदा आ रहा था ।तभी बांधा पुरवा के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दिया ।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उठाकर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया ।जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बाइक में लिखे नंबर से ग्राम प्रधान को सूचना दी सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।मृतक के फूफा रामकेश सिंह ने बताया कि विकास कोल्हापुर में काम करता था। वह एक माह पहले गांव आया था ।

वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नील गाय और बारासिंघा के मांस के साथ चार गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा तहसील क्षेत्र काफी समय जंगली जानवरों को मारकर उनके मांस की बिक्री की सूचनाएं मिल रही थी। मुखबिर की सूचना पर कस्बे के उत्तर में बसे गांव लज्जा पुरवा गांव निवासी खतीफ और मंजूर कई वर्षों से जंगल से जंगली जानवरों का शिकार करके गुप-चुप तरीके घर से मांस का व्यापार करने की सूचना पर धौरहरा थाना प्रभारी सुरेश मिश्रा और वन विभाग रेन्जर नृपेन्द्र चतुर्वेदी ने दल-बल के साथ संयुक्त छापा मार कार्यवाही करते हुए घर से करीब 4कुंतल मांस और 4 जिंदा आदत जिन्दा कारतूस एक बंदूक कारतूस बनाने के विस्फोटक सामग्री सहित चार महिलाओं की गिरफ्तारी सहित 5 अज्ञात आरोपीयों के विरुद्ध वन्यजीव अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने की बात कही साथ ही मांस का परिक्षण के लिए लैब टेस्ट के साथ महिलाओं की निशानदेहीपर अन्य कार्यवाही जारी है। सूत्रो के अनुसार 5अज्ञात आरोपी धौरहरा कस्बा और लहबडी गांव क्षेत्र के बताये जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड, गोला गोकर्णनाथ में स्थापत्य एवं वास्तु कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्थित बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड में आचार्य सुशील बलूनी द्वारा 15 फरवरी से 21 फरवरी 2025 तक सप्त दिवसीय ''स्थापत्य एवं वास्तु कथा ज्ञान यज्ञ'' का आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक कथा में वास्तु विज्ञान, स्थापत्य, पंचमहाभूत, संख्या ज्योतिष व नक्षत्र आधारित प्राकृतिक कृषि से जुडे महत्वपूर्ण व गूढ़ विषयों पर ज्ञान चर्चा व जानकारियां साझा की जाएंगी। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, भाग्य वर्धन की कला, सामाजिक समरसता, अनुशासन व स्वस्थ रहना और समृद्धि लाना आवश्यक है। यह सप्त दिवसीय सत्संग ज्ञान चर्चा आपके जीवन को सुदृढ़ बनाने में अत्यंत सहायक होंगी। यह कथा प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक आयोजित की जाएगी यूनिट हेड जितेन्द्र सिंह जादौन ने सभी किसान भाइयों एवं श्रद्धालुजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस पावन आयोजन में सहभागिता करें और स्थापत्य एवं वास्तु ज्ञान का लाभ उठाकर अपने जीवन को सफल एवं मंगलमय बनाएं।

अज्ञात कारणों के चलते विवाहिता ने लगाई फांसी

धौरहरा खीरी। बीती रात की सुबह धौरहरा थाना क्षेत्र के टेंगनहा गांव में एक वर्ष बाद अज्ञात कारणों के चलते वधू ने लगाई फांसी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात की सुबह टेंगनहा गांव में परिवारिक कलह के चलते आरती पत्नी मुन्ना 25 वर्षीय व्याहता ने फांसी पर झूलते हुए अपनी जीवन लीला समाप्त की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा ने महिला का शव फंदे से उतार गहनता से निरीक्षण उपरांत शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। सूत्रों के अनुसार पता चलता है लड़की पक्ष मायके वाले पी एम नहीं कराने और कोई पुलिस कार्यवाही भी नहीं चाहते हैं। पुलिस ने सरकारी तथ्यों की मजबूती के चलते पीएम के लिए शव को मुख्यालय भेजा गया धौरहरा थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश मिश्रा।

भीम आर्मी ने संत शिरोमणि रविदास व संतराम की जयंती मनाई

बबेरू/बांदा। बबेरू कस्बे में शुक्रवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन की तरफ से संत शिरोमणि गुरु रविदास एवं संतराम बी ए प्रजापति की संयुक्त जयंती समारोह के उपलक्ष पर कस्बे पर डी जे के साथ भव्य शोभायात्रा निकल गई है। यह यात्रा की शुरुआत डाक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क मर्का रोड से की गई, जो पूरे कस्बे पर भ्रमण करते हुए पुनः डाक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क मर्का रोड पर शोभा यात्रा का समापन शाम करीब 5.30 किया गया। इस मौके पर लगभग आधा सैकड़ा की संख्या में भीम आर्मी एकता मिशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं शोभा यात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी मौजूद रहा।

सड़क पार कर रही महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पतवन गांव के पास शुक्रवार की दोपहर सड़क पार कर रही महिला उर्मिला यादव पत्नी राम मूरत उम्र 42 वर्ष, निवासी पतवन को बाइक सवार कुंज बिहारी पुत्र तीरथ यादव उम्र 35 वर्ष निवासी मझिवा थाना बबेरू ने टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार कुंज बिहारी व पैदल सड़क पार कर रही उर्मिला यादव दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई, राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस व डायल 112 पीआरबी पुलिस के द्वारा दोनों घायलों को सीएचसी बबेरू में भर्ती कराया गया। जहां पर डाक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर हालत देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है।

मार्ग दुर्घटना में एक की मौत, दो हुए घायल

बांदा। तेज रफ्तार बाइक नियंत्रित होकर घाटी में जा गिरी ।इसमें एक युवक की मौत हो गई। चचेरा भाई और भतीजा घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तिंदवारी थाना क्षेत्र के सैलरी वासिलपुर गांव निवासी सत्यवान वर्मा तेज पुत्र राम मनोहर वर्मा अपने चचेरे भाई गोंदी लाल 26 पुत्र राम विशाल भतीजा बिन्नू 24 पुत्र हीरालाल के साथ बाइक में बैठकर चचेरे भाई पवन के दाहिनवारा संस्कार में शामिल होने निभौर गांव गए थे। गुरुवार की रात तीनों लोग वापस बाइक से गांव आ रहे थे। तभी पतवन गांव के पास तेज रफ्तार बाइक आनियंत्रित होकर घंटी में गिर गई। तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू में भर्ती कराया गया। जहां इलाज होने से पहले सत्यवान की मौत हो गई ।मौत की खबर मिलते ही घर वालों में कोहराम मच गया ।मृतक के चचेरे भाई विक्रम ने बताया कि वह दो भाइयों में छोटा था ।मजदूरी करता था। अचानक हुई इस घटना से मां भूरी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक वापी में काम करता था।

विद्युत विभाग की टीम ने चलाया चेकिंग अभियान

बांगरमऊ-उन्नाव। विद्युत विभाग की टीम द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में पांच दिनों के दौरान 300 लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। इसी क्रम में शुक्रवार को चलाए गए अभियान में पुनः 50 लोगों पर विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की गई। अभियान के प्रति जानकारी देते हुए उपखंड अधिकारी राम इकबाल द्वारा कहा है कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में विद्युत विभाग लगातार चेकिंग अभियान चला है। इस दौरान अनियमिताएं व चोरी से बिजली उपभोग करने वाले 300 लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है। इसी क्रम में शुक्रवार को जेई संतोष श्रीवास्तव, इंजीनियर राजनाथ यादव आदि के नेतृत्व में विभागीय कर्मियों ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अनियमिताओ में संलिप्त 10 उपभोक्ताओं पर विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर अग्रिम कार्यवाही हेतु रूपरेखा तय की गई।

मोहम्मद अनस सिद्दीकी ने मदरसा दारुल उलूम से कुरआने पाक हिफ्ज किया मुकम्मल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। कुकरा के मदरसा अलजमीअतुल इस्लामिया दारुल उलूम से बरोज जुम्मेरात को कुकरा के मोहम्मद अनस सिद्दीकी को जनाव हाफिज मुजीबुल्ला खान ने तीन वर्षों में वमस्कत से कुरआन पाक का हिफ़्ज़ मुकम्मल कराया। छात्र-छात्राओं व अध्यापको ने तमाम आलिम की मौजूदगी में मेहमाने खुसुसी मौलाना मोहम्मद साजिद काशमी ने कुरआन पाक की कई सुरतें पढ़वा कर मुकम्मल कराया, जलसे के बाद हाजिरीन जलसा ने मुल्क की अमन सलामती के लिए दुआ मांगी। इस मौके पर मदरसा दारुल उलूम के प्रबंधक मौलाना मोहम्मद हनीफ काशमी व मदरसे के सदर मुदर्रिस मुफ्ती आदिल एखलाक कासमी व हाफ़िज़ अब्दुल वहाब खान, बदरुद्दीन सिद्दीकी गबडू,डॉक्टर रुममान खान,डॉक्टर अजहरुद्दीन,मुंशिफ खान, हाफिज मोहम्मद शादाब अंसारी, मोहम्मद गुफरान,हाफिज र रईसुद्दीन सहित तमाम मुदरसीन मौजुद रहे। तलवा व मदरसे के लिए उज्ज्वल भविष्य की अल्लाह से कामना की।

दहिनवारा में जा रहे मौसेरे भाइयों की दुर्घटना में मौत

बांदा। दाहिनवारा संस्कार में शामिल होने के बाद बाइक सवार से घर लौट रहे दो मौसेरे भाइयों को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारी रोड अशोक नगर निवासी अंशुल 19 पुत्र रामगोपाल अपने मौसेरे भाई राहुल 23 पुत्र जुगल किशोर निवासी खड़ेही छतरपुर के साथ में ममेरे भाई शुभम के दाहिनवारा संस्कार में शामिल होने नरैनी गए थे ।दोनों लोग वापस बाइक से घर लौट रहे थे ।तभी अतर्रा के गर गन पुरवा पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे अंशुल और राहुल की मौके पर मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घर वालों में कोहराम मच गया ।मृतक राहुल के पिता ने बताया कि राहुल एक मोबाइल की दुकान में काम करता था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। अचानक हुए इस घटना से मां अर्चना का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।वही राहुल दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था।

ओवरलोडिंग वाहनों पर नहीं लग रहा अंकुश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लकड़ी से भरी अवैध ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, बड़ा हादसा टला

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्रशासनिक लापरवाही के चलते ओवरलोडिंग वाहनों का अवैध संचालन जारी है। ताजा मामला गोला गोकर्णनाथ नगर का है, जहां सुबह करीब 5 बजे खुटार रोड स्थित रामजानकी मंदिर के पास एक लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई। हादसा जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई पाइपलाइन की नालियों में ट्राली फंसने से हुआ। घटना के बाद चालक कमलेश मौके से फरार हो गया। बाद में पूछताछ में सामने आया कि वह वन विभाग की शाल की लकड़ी को रामनगर से महुरैना डिपो ले जा रहा था। जांच में पता चला कि चालक के पास ट्रैक्टर-ट्राली चलाने का कोई वैध परमिट नहीं था। यह प्रशासनिक उदासीनता का एक और उदाहरण है, जहां न तो ओवरलोडिंग वाहनों पर रोक है और न ही डबल ट्रालियों पर कोई नियंत्रण। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ट्रैक्टरों का उपयोग केवल कृषि कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन यहां लकड़ी और ईंट ढोने में इनका खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। इसके अलावा, जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें भी लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और वाहन भी इन खुदी हुई सड़कों में फंस रहे हैं।

महर्षि विश्वविद्यालय में आयोजित हुई बजट पर पैनल चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय बजट 2025 पर पैनल चर्चा महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी लखनऊ कैंपस के सभागार में आयोजित की गई, जिसका आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ़ हुमैनीटीज , लखनऊ द्वारा IQAC के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में सम्माननीय वक्ताओं का योगदान रहा और इसमें संकाय सदस्यों , छात्रों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस सत्र में प्रमुख वक्ताओं से महत्वपूर्ण विचार प्राप्त हुए। डॉ. गुंजन पांडे, प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष (आर्थिक शास्त्र), बी.एस.एन.वी. पीजी कॉलेज (K.K.V.), लखनऊ, ने आर्थिक विकास में जनसांख्यिकी लाभांश के महत्व को उजागर किया, विशेष रूप से युवाओं के विकास सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. मंजुला उपाध्याय, प्रोफ़ेसर (आर्थिकशास्त्र) एवं प्राचार्य, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ, ने कृषि क्षेत्र में वृद्धि पर चर्चा की, विशेष रूप से 2025 के बजट में कृषि और सहायक क्षेत्रों के लिए आवंटित संसाधनों पर प्रकाश डाला । डॉ. मधु टंडन , विभागाध्यक्ष (आर्थिकशास्त्र), DAV कॉलेज, लखनऊ, ने लिंग-आधारित बजट, महिला सशक्तिकरण योजनाओं और लिंग समानता सम्बंधित पहलुओं पर विस्तार से व्याख्या की। इस सत्र में उपस्थित लोगों ने वक्ताओं से संवाद भी किया।

सत्र का संचालन डॉ. विजय श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर (डॉ.) भानु प्रताप सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश छिमवाल के आशीष ने कार्यक्रम को विशेष रूप से सम्मानित किया। डॉ. रुपम सिंह, डीन (MSOSH), और डॉ. नीरज जैन, डीन (अकादमिक्स), MUIT, लखनऊ ने वक्ताओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। सत्र में डीन स्टूडेंट वेलफ़ेयर डा. सपन अस्थाना और चीफ प्रॉक्टर डॉ. निशांत पांडेय की भी उपस्थिति सराहनीय रही। सत्र का समापन डॉ. कनु प्रिया वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ़ हुमैनीटीज के संकाय सदस्यों और विश्विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से संभव हो पाया।

दबंगों द्वारा भूमि कब्जा करने को लेकर एसडीएम को दिया प्रार्थना पत्र

बांगरमऊ-उन्नाव। ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत कटरी गदनपुर आहार के ग्राम प्रधान जितेंद्र व तुलाराम दो लोगो ने एक राय होकर एसडीएम के नाम प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि उनके गांव में सक्रिय गुंडा व भूमाफिया किस्म के लोगों द्वारा अभिलेखों में हेरफर कर ग्राम समाज की सरकारी खेतिहर भूमि करीब 95 बीघा अपने नाम करा ली गई थी। जिस संबंध में न्यायालय जिलाधिकारी की अदालत द्वारा बीते 4 अगस्त 2021 को उत्तर प्रदेश भू राजस्व अधिनियम 1901 के अंतर्गत धारा 210 के अंतरिम आदेश में भूमाफियाओं के नाम खारिज किए जा चुके है। इसी क्रम में राजस्व अदालत द्वारा भी एक अन्य आदेश में बीते 29 दिसंबर 2022 को कई भूमाफियाओं के नाम राजस्व अभिलेखों से खारिज किए जा चुके है। ग्रामीणों का आरोप है उक्त न्यायालय आदेशोपरांत भी दबंग किस्म के भूमाफिया समस्त भूमि पर काबिज है। ग्रामीणों ने राजस्व टीम व पुलिस बल के साथ मौके की जांच कर भूमाफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

चोरी के माल सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य में लगे दो मजदूरों द्वारा सामग्री चोरी कर बेच दी गई। कार्य कराने वाले ठेकेदार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर थाना पुलिस ने दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माल बरामदगी के साथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे धर्मेंद्र पुत्र राकेश निवासी ग्राम मचकोली थाना चांदपुर जनपद बुलंदशहर द्वारा बीते 12 फरवरी को तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि उसके अधीनस्थ दो कर्मियों द्वारा निर्माण सामग्री चोरी कर बेच दी गई है। जिसपर रिपोर्ट दर्ज कर थाना पुलिस जांच पड़ताल में लगी हुई थी इसी क्रम में 14 फरवरी को थाने के दरोगा जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी सादाब अहमद पुत्र शकील निवासी वार्ड नंबर 1 गांधी नगर झीझक थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात व दूसरे आरोपी सचिन पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम डोंगरा कला थाना नाराहट जनपद ललितपुर को थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर के निकट सर्विस रोड से गिरफ्तार कर माल बरामदगी के साथ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी: विजेता को मिलेगी 22.40 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि

एजेंसी

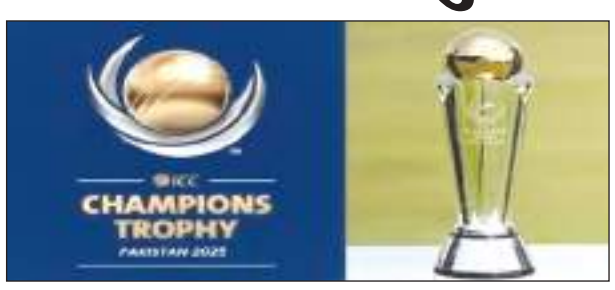

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी की पुरस्कार राशि में 53 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है और अब विजेता टीम को 22 लाख 40 हजार डॉलर (लगभग 20 करोड रुपए) मिलेंगे। उपविजेता को इसकी आधी राशि 11 लाख 20 हजार डॉलर (9.72 करोड़ रुपये) मिलेगी। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 560,000 डॉलर (4.86 करोड़ रुपये) मिलेंगे। कुल पुरस्कार राशि 60 लाख 90 हजार डॉलर (लगभग 60 करोड़ रुपये) कर दी गई है। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने बयान में कहा, ''यह पुरस्कार राशि खेल में निवेश करने और हमारी प्रतियोगिताओं की वैश्विक प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। किसी भी टीम को ग्रुप चरण में जीत हासिल करने पर 34,000 डॉलर (30 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी। पांचवें या छठे स्थान पर रहने वाली प्रत्येक टीम को 350,000 डॉलर (तीन करोड़ रुपये) , जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 140,000 अमेरिकी डॉलर (1.2 करोड़ रुपये) मिलेंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी आठ टीमों में से प्रत्येक को 125,000 डॉलर (1.08 करोड़ रुपये) की गारंटी मिलेगी। पाकिस्तान 1996 के बाद पहली बार आईसीसी की किसी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है।

भारतीय टीम हालांकि सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं कर रही है और वह अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। पाकिस्तान में होने वाले मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। आईसीसी अध्यक्ष ने कहा, ''आईसीसी पुरुष चैंपियनशिप ट्रॉफी 2025 क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस टूर्नामेंट की फिर से वापसी हो रही है जिसमें वनडे में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं भाग लेती हैं और इसका हर मैच महत्वपूर्ण है। पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 2009 से 2017 तक प्रत्येक चार साल में किया गया लेकिन इसके बाद कोविड और इसकी प्रासंगिकता को लेकर उठ रहे सवालों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1998 हुई थी और इसका आयोजन तब प्रत्येक दो साल में किया जाता था।

इंग्लैंड के कोच मैकुलम ने कहा, अच्छी तैयारी के साथ भारत दौरे पर आए थे

अहमदाबाद। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उन सुझावों को खारिज कर दिया है कि उनकी टीम ने भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। रवि शास्त्री और केविन पीटरसन ने बुधवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए कहा था कि जो रूट को छोड़कर इंग्लैंड के किसी भी खिलाड़ी ने वनडे श्रृंखला के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। भारत ने इस श्रृंखला के तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया था। मैकुलम ने इंग्लैंड की तीसरे वनडे में हार के बाद 'टॉकस्पोर्ट' से कहा, यह पूरा बयान ही तथ्यात्मक रूप से गलत है कि हमने अच्छी तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा, हम बहुत अच्छी तैयारी के साथ यहां आए थे। हमारे खिलाड़ी काफी क्रिकेट खेल कर यहां आए थे। परिणाम अनुकूल नहीं रहने पर यह कहना आसान हो जाता है कि हमने पर्याप्त तैयारी नहीं की थी।

जॉन अब्राहम और एड शीरन ने खेला फुटबॉल मैच

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम ने ब्रिटिश गायक एड शीरन के साथ फुटबॉल मैचने खेला है।

एड शीरन इन दिनों अपने म्यूजिक टूर के लिए भारत आए हुए हैं। उन्होंने हाल हीं में शिलांग में परफॉर्म किया। जहां उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से फैंस को दीवाना बना दिया। इसके अलावा शिलांग में उन्हें बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम के साथ देखा गया। इस दौरान की उनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एड शीरन ने जॉन अब्राहम के साथ फुटबॉल मैच खेला। जॉन अब्राहम की पत्नी प्रिया ने कुछ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर कीं। तस्वीरों में जॉन और प्रिया ने सफ़ेद टी-शर्ट पहनी थी। वहीं, एड शीरन को नीले रंग की टी-शर्ट में देखा गया। एक तस्वीर में तीनों साथ पोज देते भी नजर आए। एड शीरन ने अपने इंडिया टूर के एक्सपीरियंस को एक पोस्ट के जरिए शेयर किया। एड शीरन ने लिखा, 'कुछ लड़कों से हाई फाइव किया, जो हमारे पीछे आ रहे थे, वो काफी कूल थे। दूसरी तस्वीर में वह एक बाइक पर बैठे हुए नजर आए थे। इसके बारे में उन्होंने बताया कि अरिजीत सिंह उन्हें अपने घर लेकर गए। जहां तक पहुंचना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन उसमें उन्हें मजा आया। एक फोटो उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ भी शेयर की। इसमें दोनों के चेहरे पर खुशी साफ तौर पर देखने को मिल रही है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जॉन अब्राहम अब आईपीएसविच टाउन फुटबॉल टीम के फैन बन गए हैं। एड शीरन अपने टूर की समाप्ति 15 फरवरी को दिल्ली में कॉन्सर्ट के साथ करेंगे।

खेल मंत्रालय ने क्रिकेटरों को बेसबॉल खिलाड़ी बनाने की बात को बकवास करार दिया

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि एशियाई खेलों या ओलंपिक खेलों में पदक जीतने की संभावना बढ़ाने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटरों को बेसबॉल खिलाड़ी बनाने पर विचार करेगा। मंत्रालय ने इस तरह की अटकलों को कपोल कल्पित करार देते हुए कहा कि इस तरह के विचार पर कभी भी किसी भी स्तर पर चर्चा या विचार नहीं किया गया है। मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बैठक में इस तरह के किसी भी सुझाव पर चर्चा नहीं की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेसबॉल इस समय एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघ भी नहीं है। सूत्र ने कहा, ''यह पूरी तरह से काल्पनिक है। बेसबॉल को मंत्रालय से मान्यता भी हासिल नहीं है। साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) क्रिकेट में क्यों आएगा या क्रिकेट खिलाड़ियों को बेसबॉल खिलाड़ी में क्यों बदलेगा।' बेसबॉल 1994 से एशियाई खेलों और 1992 से ओलंपिक खेलों का हिस्सा रहा है। भारत ने इस खेल में कभी भाग नहीं लिया है। देश में एक भारतीय एमेच्योर बेसबॉल महासंघ है जो खेल की वैश्विक संस्था से संबद्ध है, लेकिन यह खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त नहीं है और ना ही सरकार से किसी भी तरह के वित्त पोषण का हकदार है। मंत्रालय के सूत्र ने कहा, ''एमओसी की बैठक में इस पर चर्चा नहीं की गई। हम यह सुनिश्चित करने में व्यस्त हैं कि हम उन खेलों में सुधार करें और आगे बढ़ें जिनमें हम काफी अच्छा कर रहे हैं। हमारे पास इस तरह की किसी चीज में शामिल होने के लिए समय नहीं है। इस बीच भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सीनियर अधिकारी ने कहा,''कोई भी महत्वाकांक्षी क्रिकेटर बेसबॉल की ओर क्यों रुख करेगा।

रोहित और विराट को दक्षिण अफ्रीका में 2027 विश्व कप खेलते देखना चाहते हैं स्थानीय क्रिकेट प्रेमी

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म के बावजूद रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों की दक्षिण अफ्रीका में कमी नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि 2027 में यहां होने वाले वनडे विश्व कप में वे दोनों भारतीय दिग्गजों को खेलते देखेंगे। जोहानिसबर्ग के रहने वाले शहजाद पटेल ने यहां हाल ही में संपन्न एसए20 के दौरान भाषा से कहा ,'' मैने यहां वांडरर्स पर 2007 टी20 विश्व कप फाइनल देखा था जब महेंद्र सिंह धोनी की टीम ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। मुझे श्रीसंत का वह कैच आज भी याद है। एस श्रीसंत ने टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में जोगिंदर शर्मा की गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग में मिसबाह उल हक का कैच लपका था जिससे पाकिस्तान की उम्मीदें ध्वस्त हो गई और भारत ने खिताब जीता। गुजरात मूल के पटेल ने कहा ,'' मौजूदा भारतीय टीम में मेरे पसंदीदा खिलाड़ी विराट और रोहित हैं। हम चाहते हैं कि सूर्यकुमार यादव, विराट और रोहित यहां 2027 में विश्व कप खेलें। हम चाहते हैं कि विराट और रोहित का आखिरी मैच यहीं हो। हम उन्हें यहीं से विदाई दें।'' सत्रह वर्ष के रेनार्ड लोउ भारतीय कप्तान रोहित के फैन हैं लेकिन अभी तक हिटमैन को टीवी पर ही देखा है। उन्होंने कहा ,'' मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स मेरी पसंदीदा टीम है लेकिन मुझे रोहित शर्मा की बल्लेबाजी देखना अच्छा लगता है। वह शानदार बल्लेबाज है और उसके पुल शॉट गजब के होते हैं।'' इमरान इब्राहिम का मानना है कि अगर फाफ डु प्लेसी 40 वर्ष की उम्र में खेल सकते हैं तो विराट और रोहित 2027 विश्व कप क्यो नहीं खेल सकते। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि विराट और रोहित को 2027 विश्व कप खेलना चाहिये। अगर फाफ खेल सकता है तो बाकियों को किसने रोका है। विश्व कप में अभी समय है और तब तक ये दोनों अपने चिर परिचित फॉर्म में लौट आयेंगे। इब्राहिम ने यह भी कहा कि वह भविष्य में एसए20 में और भारतीय खिलाड़ियों खासकर सीएसके के करिश्माई पूर्व कप्तान धोनी को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा ,''इस समय एसए20 में दिनेश कार्तिक ही एकमात्र भारतीय है। हम चाहते हैं कि शुभमन गिल, रोहित और विराट भी खेलें। यहां सभी छह टीमें आईपीएल की हैं लेकिन एक और टीम होनी चाहिये ..आरसीबी और धोनी के आने से एसए20 की रौनक बढ जायेगी। वेस्टर्न केप के रहने वाले एंजेल एडम्स को जसप्रीत बुमराह पसंद है और वह उनके कैरियर के शुरूआती दिनों से उनके मुरीद हैं। उन्होंने कहा कि मुझे 2027 विश्व कप का इंतजार है। भारतीय टीम खासकर बुमराह और विराट का। विराट अगर अपनी फिटनेस का यूं ही ध्यान रखे तो वह जरूर विश्व कप खेलेगा।

संक्षिप्त समाचार

बेन सियर्स चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, जैकब डफी न्यूजीलैंड की टीम में शामिल

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं, जो 19 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट से पहले कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सियर्स की जगह पर जैकब डफी को अपनी टीम में शामिल किया है। एनजेडसी ने बयान में कहा, ''कराची में बुधवार को टीम के पहले अभ्यास सत्र के दौरान सियर्स को अपने बाएं हैमस्ट्रिंग में कुछ दर्द महसूस हुआ और बाद के स्कैन में मामूली चोट का पता चला जिससे उबरने में उन्हें कम से कम दो सप्ताह का समय लग जाएगा। बयान के अनुसार, इस समय सीमा का मतलब है कि सियर्स संभवतः दुबई में भारत के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप ए मैच के लिए ही उपलब्ध हो पाएंगे और इस कारण उन्हें बाहर करने का फैसला किया गया। सियर्स की चोट ने डफी के लिए रास्ता साफ कर दिया है, जो वर्तमान में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए टीम में हैं। न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में ग्रुप ए मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जापान से हारा भारत

क्विंगदाओ (चीन)। भारत शुक्रवार को यहां बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जापान की अपेक्षाकृत कमजोर टीम से 0-3 से हार गया और इस तरह से प्रतियोगिता में उसके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। दुबई में 2023 के कांस्य पदक विजेता भारत को अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा और 2017 के चैंपियन जापान के खिलाफ उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। क्वार्टर फाइनल के शुरुआती मैच में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो की मिश्रित युगल जोड़ी हिरोकी मिदोरिकावा और नात्सु सैतो से 13-21, 21-17, 13-21 से हार गई। पीवी सिंधु के चोटिल होने के कारण महिला एकल में भारत का दारोमदार मालविका बांसोड़ पर था लेकिन वह टोमोका मियाज़ाकी से 12-21, 19-21 से हार गई जिससे भारत 0-2 से पीछे हो गया। भारत को मुकाबले में बनाए रखने की जिम्मेदारी एचएस प्रणय पर थी। सत्र के शुरू से फॉर्म से जूझ रहे 32 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी दुनिया के 16वें नंबर के केंटा निशिमोटो के खिलाफ दबाव बरकरार नहीं रख सके। जापानी स्टार ने एक घंटे और 17 मिनट में 21-14, 15-21, 21-12 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के लिए यह हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि जापान के शीर्ष खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं और उसने दूसरी श्रेणी की टीम उतारी है।

हिंदुस्तान पावर 2028 तक 5 गीगावाट ऊर्जा पोर्टफोलियो बनाएगी

नयी दिल्ली। एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक हिंदुस्तान पावर के अध्यक्ष रतुल पुरी ने शुक्रवार को अगले तीन वर्षों में 5 गीगावाट ऊर्जा पोर्टफोलियो हासिल करने की अपनी योजना की घोषणा की। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में श्री पुरी ने कहा कि यह विकास रणनीति अक्षय और संक्रमणकालीन ऊर्जा पर जोर देती है, जो विकसित हो रहे ऊर्जा परिदृश्य में स्थिरता और नवाचार के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नियोजित विस्तार 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने के भारत के लक्ष्य के अनुरूप है और देश के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में हिंदुस्तान पावर की भूमिका को रेखांकित करता है। कंपनी का लक्ष्य अत्याधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर और अक्षय और संक्रमणकालीन ऊर्जा उत्पादन दोनों में प्रभावशाली विकास को बढ़ावा देकर एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाना है। श्री पुरी ने कहा, ल्ल वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र एक परिवर्तनकारी बदलाव से गुजर रहा है, और भारत इस बदलाव में सबसे आगे है। हिंदुस्तान पावर ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास सुनिश्चित करते हुए संधारणीय ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। 5 गीगावाट पोर्टफोलियो हासिल करने का हमारा दृष्टिकोण एक स्वच्छ और अधिक लचीला ऊर्जा भविष्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हिंदुस्तान पावर की व्यापक विशेषज्ञता घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में फैली हुई है, जिसने भारत और जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में सफलतापूर्वक परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। कंपनी का एकीकृत दृष्टिकोण नवाचार को संधारणीयता के साथ जोड़ता है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को आगे बढ़ाने में अग्रणी बनाता है। कंपनी ने मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, गुजरात और असम सहित कई राज्यों में सफलतापूर्वक परियोजनाएं शुरू की हैं और जापान, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी और इटली जैसे बाजारों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया है।

सरकार ने 'फ्रोजन' बत्तख मांस आयात की अनुमति प्राप्त करने के लिए बनाए नियम

नयी दिल्ली। सरकार ने देश में 'प्रीमियम फ्रोजन' बत्तख (डक) मांस के आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के नोटिस के अनुसार, आयातक निदेशालय से इस संबंध में मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें कहा गया, ऐसे आयातकों को हलफनामा देना होगा कि आयातित उत्पाद तीन-सितारा और उससे अधिक रेटिंग वाले होटलों के लिए है, जैसा कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है। वे संभावित पात्र प्रतिष्ठान भी उपलब्ध कराएंगे। गौरतलब है कि मंत्रालय ने तीन-सितारा और उससे अधिक रेटिंग वाले होटलों को इस मांस के सीधे आयात के लिए बिना किसी मंजूरी के अनुमति दी है। नियमों के अनुसार, वितरक/एग्रीगेटर/आपूर्तिकर्ता के रूप में कार्य करने वाले आयातक को तीन-सितारा और उससे अधिक रेटिंग वाले होटलों को की गई सभी आपूर्तियों का रिकॉर्ड रखना होगा।

वैलेंटाइन डे के दिन सर्राफा बाजार में तेजी, चांदी 1 लाख के पार पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। वैलेंटाइन डे के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना के साथ ही चांदी की कीमत में भी आज जबरदस्त उछाल आया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,160 रुपये से लेकर 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,900 रुपये से लेकर 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज जोरदार तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1 लाख रुपये का स्तर पार करके 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

फियो ने की भारत-अमेरिका व्यापार और निवेश संबंधों में वृद्धि की सराहना

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा की सराहना करते हुए शुक्रवार को इसे भारत-अमेरिका व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने में एक ऐतिहासिक घटना बताया।

फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि यह यात्रा गहन आर्थिक सहयोग, व्यापार का विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री कुमार ने कहा कि चर्चाएं भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित हुईं। अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभर रहा है, ऐसे में ये घटनाक्रम भारतीय निर्यातकों को नए अवसर प्रदान करेंगे। प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने से विशेष रूप से भारत के निर्यात क्षेत्रों को लाभ होगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। फियो के अध्यक्ष ने बढ़ते निवेश फोकस की भी सराहना की, जो भारत में नए उद्योगों और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देगा और भारतीय निर्यात की मांग को बढ़ाएगा। उन्होंने बाधाओं को दूर करके और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। फोकस क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और वस्त्र शामिल हैं, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 'मिशन 500' के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 500 अरब डॉलर तक पहुंचना है। श्री कुमार ने 2025 तक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए समयसीमा की सराहना की, जिसका उद्देश्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापार बाधाओं को कम करना और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण में सुधार करना है।

भारत एक सौर महाशक्ति है: साइमन स्टील

एजेंसी

नयी दिल्ली। यूएनएफसीसीसी के कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने शुक्रवार को भारत को एक सौर महाशक्ति बताते हुये यहां कहा कि यह देश 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले दुनिया के केवल चार देशों में से एक है तथा भारत के नेताओं के पास अर्थव्यवस्था की संपूर्ण औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का रोमांचक अवसर है जो सुनिश्चित करती है कि भारत स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति है।

श्री स्टील ने यहां नौवें वार्षिक वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (जीबीएस) में कहा ल्ल लोग अक्सर जलवायु परिवर्तन पर भाषणों की शुरुआत जलवायु संकट के कारण पहले से ही अर्थव्यवस्थाओं पर, लोगों पर और हमारे ग्रह पर पड़ रहे भयंकर नुकसानों पर जोर देकर करते हैं, लेकिन आज मैं इसके बजाय अवसर के बारे में बात करना चाहता हूँ। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति रुकने वाली नहीं है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में दो लाख करोड़ डॉलर का निवेश किया गया। कारखाने बनाए गए हैं, ऑर्डर दिए गए हैं, और अधिक से अधिक लोगों को सस्ती, स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा और नए, अधिक लचीले बुनियादी ढांचे तक पहुँच मिल रही है। श्री स्टील ने कहा कि पूरी दुनिया में जीवन बदल रहा है। अरबों लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रहा है। आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है और उन देशों में अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहा है जो जलवायु कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक तापमान में वृद्धि वास्तविक है, यहाँ, और अभी बढ़ती लागतें लगा रहा है। लेकिन सरकारें और व्यवसाय स्वच्छ ऊर्जा का निर्माण कर रहे हैं क्योंकि यह रणनीतिक और लाभदायक है। यह हमारे युग का सबसे बड़ा आर्थिक परिवर्तन है, इसका मतलब है कि यह सबसे बड़ा आर्थिक और व्यावसायिक अवसर भी है। जो लोग नेतृत्व करते हैं, उनके पास नए आदेश से बड़े पैमाने पर लाभ उठाने का मौका है। कुछ सरकारें जहां बात करती हैं, भारत वहीं काम करता है। भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है, 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है। 200 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता का हिस्सा। ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है। भारत के हर गांव में समय से पहले ही बिजली पहुंचाई जा रही है। अब अगला कदम उठाने और भारत के 1.4 अरब लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े लाभ प्राप्त करने का एक वास्तविक अवसर है। ऐसा करने के लिए एक मजबूत जलवायु योजना की आवश्यकता है। लेकिन जहां अतीत में ये दस्तावेज लगभग पूरी तरह से ग्रीनहाउस गैसों और जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन में कटौती पर केंद्रित थे। श्री स्टील ने कहा कि पवन और सौर ऊर्जा में वृद्धि, जीवन स्तर में वृद्धि, नौकरियों में वृद्धि हो रही है। भारत पहले से ही इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा उछाल को और भी मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत पहले से ही ऊर्जा की तीव्रता को कम करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाकर इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन बना रहे हैं। और स्वच्छ ऊर्जा विकास के लिए प्रभावशाली लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब भारत के पास और भी आगे बढ़ने का मौका है। अक्षय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट और तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने के लिए, हरित औद्योगीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करने के लिए, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करने के लिए अब भारत के पास और भी आगे बढ़ने का मौका है। देश स्वच्छ ऊर्जा उछाल के सबसे बड़े आर्थिक और वाणिज्यिक लाभों को हासिल करने की होड़ में हैं। जब एक देश पीछे हटता है, तो दूसरे निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौड़ में सबसे बड़ा लाभ उठाने के लिए, देशों को एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सरकारें, व्यवसाय और समाज अनुसंधान, निवेश, शिक्षा और प्रशिक्षण को संरेखित करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। यहां अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय, सार्वजनिक और निजी अधिक और बेहतर जलवायु वित्त आवश्यक है। श्री स्टील ने कहा कि भारत महत्वाकांक्षी, अर्थव्यवस्था-व्यापी जलवायु योजनाओं से मिलने वाले लाभों को प्राप्त करने के लिए शक्तिशाली स्थिति में है। उनमें से प्रमुख है पर्यावरण के लिए जीवनशैली (एलआईएफई) को प्राथमिकता देने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साइ का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

महाकुम्भ ने धार्मिक पर्यटन के 'गोल्डन ट्रायंगल' को दी नई ऊंचाई, यूपी की इकोनॉमी के लिए शुभ संकेत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। देश में काशी, प्रयागराज और अयोध्या धाम धार्मिक पर्यटन के सबसे बड़े स्वर्ण त्रिकोण (गोल्डन ट्रायंगल) के रूप में उभरे हैं। तीर्थों के तीर्थ प्रयागराज में चले रहे दुनिया के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ में इस गोल्डन ट्रायंगल ने प्रसिद्धि, कमाई और श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से नये कीर्तिमान बनाये हैं।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस महाकुम्भ के आयोजन के लिए गभग 7,000 करोड़ रुपये से ज?यादा का बजट आवंटित किया है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाला महाकुम्भ राज्य सरकार की इकोनॉमी के लिए भी शुभ माना जा रहा है। महाकुम्भ से राज्य सरकार की इकोनॉमी में 2 लाख करोड़ रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है। कुम्भ मेले के समापन में 12 दिन शेष हैं, कमाई का आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। आस्था का यह सैलाब सिर्फ प्रयागराज तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के बाकी धार्मिक शहरों तक भी इस भीड़ और लोगों की आस्था का बड़ा असर दिखाई दे रहा है। सबसे बड़ा असर तो धर्म नगरी वाराणसी में देखने को मिल रहा है। यहां पर बाबा विश्वनाथ की नगरी में पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने वालों ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि मंदिर के विस्तारीकरण के बाद अब तक सारे रिकॉर्ड इस भीड़ ने तोड़ दिए हैं। वाराणसी में एक महीने में करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन 11 जनवरी से 11 फरवरी यानी 1 महीने के अंदर विश्वनाथ मंदिर में एक करोड़ 50 लाख से अधिक लोगों ने दर्शन किए हैं। जो एक महीने में सर्वाधिक आंकड़ा है। काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के बाद एक महीने में आने वाले श्रद्धालुओं की यह सर्वाधिक संख्या है। यह आंकड़ा अभी प्रतिदिन बढ़ रहा है। मंदिर प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक महीने के अंदर 7 करोड़ रुपये (इसमें सोना-चांदी शामिल नहीं) का चढ़ावा आया है, जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। यह चढ़ावा सिर्फ कुंडी में आए धन से है। जबकि सारे टिकट और वीआईपी सुविधाओं को बंद कर रखा गया है। माना जा रहा है कि यह फाइनल काउंटिंग में और भी ज्यादा होगी। यह जो धनराशि प्राप्त हुई है वह अब तक एक महीने में सर्वाधिक है। रामलला की नगरी मिनी कुम्भ में तब्दील रामलला की नगरी मिनी कुम्भ में तब्दील हो गई है। प्रयाग महाकुम्भ की शुरुआत के बाद अयोध्या में लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। अयोध्या में भीड़ बढ़ने की वजह से राम पथ, भक्ति पथ और राम जन्मभूमि पथ को पूरी तरह सील कर दिया गया है। शहर के दोनों तरफ बैरिकेडिंग की गई है। वहीं शहर को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही वीआईपी और वीवीआईपी पास पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरयू घाट से लेकर राम मंदिर तक जाने वाले रामपथ मार्ग पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। अयोध्या आने वाले भक्तों की सबसे अधिक भीड़ राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रही है। श्रीराम जन्मभूमित तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक जनवरी माह में 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। इन दिनों प्रतिदिन 3 से 4 लाख श्रद्धालु रामनगरी में दर्शन कर रहे हैं, जो अयोध्या के स्ट्रक्चर की दृष्टि से बहुत अधिक है। हालांकि प्रतिदिन डेढ़ से 2 लाख श्रद्धालुओं के राम नगरी में दर्शन पूजन की समुचित व्यवस्था है। होटल, परिवहन, ग्रॉसरी, पूजा सामग्री से लेकर पटरी दुकानदारों के चेहरे भीड़ की वजह से खिले हुए हैं। रामलला की नगरी में लक्ष्मी की बरसात हो रही है। एक साल में रामलला के 4 करोड़ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से एक वर्ष में 04 करोड़ भक्तों ने रामलला के दर्शन किये हैं। भक्तों ने दो सौ करोड़ से अधिक की राशि अर्पित की है। अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में राम मंदिर की वजह से एक वर्ष का कारोबार 15 हजार करोड़ रुपये का रहा। रामनगरी ने नोएडा और लखनऊ से ज्यादा जीएसटी भरकर उत्तर दिया कि अब अयोध्या विकास के पुष्पक विमान पर है। यूपी सरकार को 2 लाख करोड़ की कमाई की संभावना आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों के मुताबिक, महाकुम्भ 2025 से राज्य सरकार की इकोनॉमी में 2 लाख करोड़ रुपये तक का बढ़ोतरी हो सकता है। महाकुम्भ मेला में आने वाला हर श्रद्धालु अगर 5,000 रुपये खर्च करता है, तो इस आयोजन से यूपी सरकार को कुल 2 लाख करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। हालांकि कुछ अनुमानों के मुताबिक प्रति व्यक्ति खर्च 10,000 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे कुल आर्थिक प्रभाव 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इससे राज्य की जीडीपी में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है। 2019 में प्रयागराज के अर्धकुम्भ मेले ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया था।

महाकुम्भ : कल्पवासियों की विदाई जारी, 1 लाख कल्पवासियों ने किया पवित्र स्नान

- माघी पूर्णिमा तक एक माह 10 लाख कल्पवासियों ने किया अमृत स्नान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ 2025 में माघी पूर्णिमा के बाद कल्पवासियों की विदाई जारी है। शुक्रवार सुबह 1 लाख कल्पवासियों ने पवित्र स्नान किया। महाकुम्भ में माघी पूर्णिमा तक प्रतिदिन लगभग 10 लाख कल्पवासियों ने अमृत स्नान किया और माघी पूर्णिमा के दूसरे दिन 5 लाख और शुक्रवार सुबह 8बजे तक 1 लाख कल्पवासी ने पवित्र स्नान किया। महाकुंभ के दौरान कल्पवासियों ने साधना पूर्वक पूरे एक महीने तक त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान किया और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। माघी पूर्णिमा से कल्पवासियों की विदाई चल रही है। यूपी सरकार को 2 लाख करोड़ की कमाई की संभावना आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों के मुताबिक, महाकुम्भ 2025 से राज्य सरकार की इकोनॉमी में 2 लाख करोड़ रुपये तक का बढ़ोतरी हो सकता है। महाकुम्भ मेला में आने वाला हर श्रद्धालु अगर 5,000 रुपये खर्च करता है, तो इस आयोजन से यूपी सरकार को कुल 2 लाख करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। हालांकि कुछ अनुमानों के मुताबिक प्रति व्यक्ति खर्च 10,000 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे कुल आर्थिक प्रभाव 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इससे राज्य की जीडीपी में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है। 2019 में प्रयागराज के अर्धकुम्भ मेले ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया था। महाकुंभ महाशिवरात्रि के बाद होगा। कल्पवासियों की विदाई पर प्रयागराज के जिलाधिकारी और महाकुंभ मेला अधिकारी ने कहा, ''कल्पवासियों की विदाई एक महत्वपूर्ण क्षण है। हमें गर्व है कि हमने महाकुंभ के दौरान कल्पवासियों की सेवा करने का अवसर प्राप्त किया। महाकुंभ मेला क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक व्यवस्था की गई थी। कल्पवासियों के लिए विशेष शिविर लगाए गए थे, जहां उन्हें भोजन, आवास और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गईं।

यातायात की सुगमता के लिए ड्रोन कैमरों के माध्यम से देखा जा रहा है पार्किंग एरिया, चौराहे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुम्भ नगर। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए प्रशासन मुस्तैद है। शुक्रवार को महाकुम्भ-2025 के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन व जनपद प्रयागराज की सुचारू यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा भ्रमणशील रहकर नगर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, चौराहों, डाइवर्जन/बैरिकेडिंग प्वाइंट्स का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। ड्रोन कैमरों के माध्यम से विभिन्न पार्किंग एरिया, चौराहों आदि की सतत निगरानी करते हुए सुचारु आवागमन सुनिश्चित किये जाने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, जनपदीय महाकुम्भ मेला-नगर जोन में नियुक्त अपर पुलिस अधीक्षक,उपाधीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी,कर्मचारीगण मौजूद रहे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव
प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह
समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'
स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन
समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी
साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)
आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र
सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)
सह संपादक
मेजर. के. किशोर
सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)
उप सम्पादक
प्रभात वर्मा
स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

महाकुम्भ : स्वच्छता अभियान में शामिल हुए संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ मेला क्षेत्र के अरैली घाट स्थित संगम के तट पर शुक्रवार को परमार्थ निकेतन की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने भी परमार्थ निकेतन के कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इससे पहले डॉ. कृष्ण गोपाल हिन्दी साहित्य भारती के चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय उपवेशन को भी संबोधित किया। स्वच्छता अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने गंगा जी के तट पर बिखरी प्लास्टिक व कचरा उठाकर 'स्वच्छ कुम्भ-दिव्य कुम्भ, स्वच्छ प्रयागराज' का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान में शामिल परमार्थ निकेतन के कार्यकर्ता पर्यावरण से नाता जोड़ो, पालीथीन का उपयोग छोड़ो। 'मेरा शहर साफ हो इसमें जन-जन का हाथ हो' स्लोगन लगी तख्ती हाथ में लिये थे। इस अभियान का उद्देश्य पृथ्वी, जल, वायु और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता फैलाना है और यह संदेश देना था कि अगर हम धरती से प्यार करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का उद्धार संभव होगा। स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती जी ने संदेश दिया कि हम सभी को धरती के प्रति जिम्मेदार बनना होगा।

वाराणसी पहुंचे अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में हुए भगदड़ के बहाने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। शुक्रवार को ?एक दिवसीय निजी दौरे पर वाराणसी पहुंचे अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों को पूरे देश–दुनिया में दिखाया जा रहा है लेकिन महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों के आंकड़ों को नहीं बताया गया। सरकार कुंभ में जिन लोगों की जान गई है, उनकी भी सूची नहीं दे पा रही है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कुंभ में अगर 100 करोड़ की तैयारी होती तो लोगों को यह असुविधा नहीं होती। लोग बड़े पैमाने पर परेशान हुए हैं। लोगों की जान गई है जो सरकार छिपा रही है। महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कपड़े पहनकर नहाने पर भी अखिलेश यादव ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से सीखना चाहिए कि आने वाले समय में कपड़े पहनकर स्नान करना चाहिए। आम बजट से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि भारत सरकार का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया गया। सरकार का दावा है कि अर्थव्यवस्था को पांच से तीन नंबर पर पहुंचाएंगे। बजट आने के बाद मायूसी छा गई। उन्होंने कहा कि जिस बजट ने नौकरी न दी हो, किसानों की आय दोगुनी न की हो, जिससे व्यापार न बढ़ा हो, उस बजट ने सिर्फ मायूसी दी है। अखिलेश ने कहा कि सरकार वक्फ बिल लाकर लोगों के अंदर बहस छेड़ने का तरीका अपना रही है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि राष्ट्रपति शासन वहां और पहले ही लग जाना चाहिए था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिकी दौरे से जुड़े सवाल पर सपा मुखिया ने कहा कि काफी अच्छी बात है लेकिन इससे अच्छी बात तब होगी जब अमेरिका का व्यापार भारत में आएगा। अमेरिका से व्यापार ऐसा लाएं जिससे हमारे लोगों की खुशहाली हो, हम अपना बाजार अमेरिका को न दे दें। इसके पहले बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अखिलेश यादव का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

महाकुम्भ : धरती ही हमारी वैलेंटाइन, महास्वच्छता अभियान के माध्यम से धरती के प्रति प्यार और कर्तव्य का संदेश

- परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, साध्वी भगवती सरस्वती जी और विश्व के अनेक देशों से आये श्रद्धालुओं ने किया महास्वच्छता
- अरैल घाट, संगम और आस-पास के क्षेत्र में रैली और नारों के साथ निकाला महास्वछता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महाकुंभ नगर। वैलेंटाइन डे के अवसर पर जब प्रेम और स्नेह की भावनाओं का आदान-प्रदान होता है, तब परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती , साध्वी भगवती सरस्वती ने दुनिया भर के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालुओं को एक विशेष संदेश दिया है कि धरती ही हमारी वैलेंटाइन है। शुक्रवार को उन्होंने संगम के आस-पास और अरैल घाट पर एक महास्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य पृथ्वी, जल, वायु और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता फैलाना है और यह संदेश देना था कि अगर हम धरती से प्यार करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का उद्धार संभव होगा। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने संदेश दिया कि हम सभी को धरती के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। हमारी धरती हमारी वैलेंटाइन है। वह हमें जीवन देती है, अब हमारी बारी है कि हम अपनी धरा को प्रेम और संरक्षण प्रदान करें। अगर हम धरती को संरक्षण देंगे, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और हरित बनेगी। हमारे पूज्य संतों और ऋषियों ने हमेशा धरती के प्रति प्रेम और सम्मान का संदेश दिया। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक हम अपनी धरती का ख्याल नहीं रखेंगे, तब तक हम अपने भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते। हर एक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, चाहे वह कचरा प्रबंधन हो या जल संरक्षण हो या वृक्षारोपण हो, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि हम जो प्लास्टिक कचरा अपनी धरती पर डालते हैं, वह भविष्य के लिए घातक है। यही समय है जब हम अपने पर्यावरण को बचाने के लिए कदम उठाएं। हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें, तो हम दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। महाकुम्भ बाहर व भीतर की स्वच्छता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारी धरती के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि हमारे जल स्रोतों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी यह गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है। इसलिए हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करना होगा और उसे पुनः उपयोग और पुनर्नवीनीकरण के तरीकों से निपटना होगा। साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ गंदगी को साफ करना नहीं था, बल्कि यह समझाना था कि सफाई सिर्फ हमारे घरों और शहरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारी धरती की रक्षा करने का एक तरीका है। जब तक हम अपनी धरती को साफ नहीं रखते, हम उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित नहीं रख सकते। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने सभी का आह्वान करते हुए कहा, हमारी आगे आने वाली पीढ़ी के लिए एक हरी-भरी और साफ-सुथरी धरती छोड़ना हमारा कर्तव्य है। हम जितना जल्दी इस दिशा में कदम उठाएंगे, उतना ही अधिक हम अपनी धरती को बचा सकते हैं।

महिलाओं के उत्पीड़न व समस्याओं का त्वरित न्याय दिलाना ही जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य : पूनम द्विवेदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार महिला उत्पीड़न को लेकर बेहद गंभीर है और अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि पीड़ित महिलाओं की समस्याओं का निदान प्राथमिकता में लें। इसको लेकर राज्य महिला आयोग भी समय-समय पर जनसुनवाई कर पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास करता है। इसी कड़ी में आज मेरी अध्यक्षता में सर्किट हाउस में मिशन शक्ति फ़ेस-5 के अन्तर्गत जनसुनवाई का आयोजन किया गया। यह बातें गुरुवार को उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने कही। पूनम द्विवेदी ने बताया कि महिला जन सुनवाई में महिलाओं के उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज संबंधी मामले एवं महिलाओं से संबंधित कुल-18 मामले आये हैं। जिन पर प्रत्येक मामले को गम्भीरता से सुनते हुये उक्त प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि महिला जन सुनवाई में गुंजा यादव पत्नी अनुराग यादव द्वारा पति से प्रताड़ित किये जाने की शिकायत की गयी, जिस पर सुनवाई करते हुये महिला थाना द्वारा समस्या का त्वरित समाधान करते हुए 15 दिन में आख्या आयोग को प्रेषित कराने के निर्देश दिये है । इसी प्रकार, तुबा उर्फ तान्या पत्नी अमन द्वारा किशोरी (जेठ) व महेन्द्र कुमार (ससुर) द्वारा दहेज उत्पीड़न, राधा पत्नी सर्वेश कुशवाहा द्वारा ससुराल द्वारा दहेज उत्पीड़न, रूबी पत्नी इरफान द्वारा जानलेवा हमले के आरोपियों के गिरफ्तारी के सम्बन्ध में, उषा पाण्डेय द्वारा विधवा पेंशन के लिए , इति गुप्ता द्वारा ससुराल पक्ष पर दहेज एफ0आई0आर0 पर कार्यवाही के सम्बन्ध में, शशी गुप्ता द्वारा बहू पूनम गुप्ता से समस्या के सम्बन्ध में, रोशनी पत्नी राजेश कुमार द्वारा पति के द्वारा द्वितीय विवाह करने के सम्बन्ध में, सुमन जायसवाल द्वारा बहू रुपाली जायसवाल के साथ समझौता के सम्बन्ध में, जिसको सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही महिला जन सुनवाई में उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुये बताया गया कि महिलाओं के किसी भी प्रकार के उत्पीडन, घरेलू हिंसा में सहायता के लिये तत्काल 112 नम्बर डायल करें और अपना इस नम्बर पर पंजीकरण कराकर तत्काल पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकते है। महिला हेल्प लाइन 1090 व 181 में भी काल करके महिलाओं की समस्या व सहायता के लिए काल करने के संबंध में जानकारी दी गयी। इस मौके पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शुभी गुप्ता, उप जिलाधिकारी सदर ऋतु प्रिया, एसीपी सृष्टि सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयदीप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें ।